श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 219

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

भिलाई, शुक्रवार 27 मई 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

पीएम मोदी ने किया दो दिवसीय ड्रोन महोत्सव का उद्घाटन, कहा- 2030 तक भारत बनेगा हब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के प्रगति मैदान में दो दिवसीय ड्रोन महोत्सव 2022 का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं ड्रोन प्रदर्शनी से प्रभावित हूं। 2030 तक भारत ड्रोन हब बनेगा। उन्होंने कहा, जिन-जिन स्टॉल में मैं आज गया, वहां सभी लोग बहुत गर्व से कहते थे कि ये मेक इन इंडिया हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, यह उत्सव सिर्फ ड्रोन का नहीं, यह नए भारत-नई गवर्नेंस का उत्सव है। ड्रोन टेक्नोलॉजी को लेकर भारत में जो उत्साह देखने को मिल रहा है, वो अद्भुत है। ये जो ऊर्जा नजर आ रही है, वो भारत में ड्रोन सर्विस और ड्रोन आधारित इंडस्ट्री की लंबी छलांग का प्रतिबिंब है। पीएम ने कहा, यह ऊर्जा भारत में रोजगार सृजन के एक उभरते हुए बड़े सेक्टर की संभावनाएं दिखाती है। उन्होंने कहा, आठ वर्ष पहले यही वो समय था, जब भारत में हमने सुशासन के नए मंत्रों को लागू करने की शुरुआत की थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पहले की सरकारों ने टेक्नोलॉजी को समस्या का हिस्सा समझा। उसे गरीब विरोधी साबित करने की कोशिश की गई। इस कारण 2014 से पहले गवर्नेंस में टेक्नॉलॉजी के उपयोग को लेकर उदासीनता का वातावरण रहा। इसका सबसे अधिक नुकसान गरीब को हुआ, वंचित को हुआ और मिडिल क्लास को हुआ। उन्होंने कहा, तकनीकी के माध्यम से हम आगे बढ़कर अंत्योदय के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

वार-पलटवार : सीएम चेहरा को लेकर बढ़ी सियासी गर्मी

15 साल सत्ता में रहने के बाद भी भाजपा के पास सीएम फेस नहीं-देवेन्द्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा की प्रदेश प्रभारी डी पुरंदेश्वरी ने रायपुर भाजपा नेताओं को चार्ज करने के चक्कर में बेतुका सा सवाल किया जिसमें जवाब भिलाई नगर विधायक व प्रदेश प्रवक्ता देवेन्द्र यादव ने दिया। दरअसल आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पुरुंदेश्वरी देवी ने सवाल किया कि 2023 में कांग्रेस का चेहरा कौन होगा ये बताना चाहिए। इस पर देवेन्द्र यादव ने भी कड़ा प्रहार किया है।

विधायक व प्रदेश प्रवक्ता देवेन्द्र यादव ने उनके सवाल पर अपना जवाब ट्वीट किया है। उन्होंने कहा है कि हमारा चेहरा भूपेश बघेल और कांग्रेस का छत्तीसगढ़ मॉडल है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी बात कि पूरे प्रदेश में आपको एक भी व्यक्ति नहीं मिला जो कांग्रेस के आगे टिक सके। पुरंदेश्वरी देवी ने अपने बयान से भाजपा के 15 साल के कार्यकाल और डॉ रमन सिंह जी के निकम्मेपन में ठप्पा लगा दिया है।

15 साल के कार्यकाल

दरअसल कांग्रेस का चेहरा पूछते हुए पुरंदेश्वरी ने कहा कि हमारा चेहरा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी होंगे। दरअसल एयरपोर्ट पर मीडिया ने उनसे पूछ दिया था कि भाजपा का चुनावी चेहरा तय हुआ या नहीं। इसी पर उनका जवान था हमारा चेहरा तो विकास है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ के किसी भी नेता का नाम नहीं लिया। वहीं उन्होंने कहा कांग्रेस से पूछिए कि उनका चेहरा कौन होगा अबकी बार।

देवेन्द्र यादव ने इसी बयान को लेकर कहा कि 15 साल तक सत्ता में रहने वाली भाजपा के पास आज प्रदेश में एक भी ऐसा चेहरा नहीं है जिसके सहारे वे चुनावी मैदान में उतर सके। छत्तीसगढ़ का चुनाव भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भरोसे जीतने का सपना देख रहे हैं और कांग्रेस का चेहरा जानना चाहते हैं। पूरे देश में छत्तीसगढ़ मॉडल की चर्चा है और प्रदेश के सीएम भूपेश बड़ा कोई चेहरा नहीं है।

सीएम फेस को लेकर विधायक देवेन्द्र का जवाब, हमारा चेहरा भूपेश बघेल और कांग्रेस का सीजडी मॉडल

सत्ता का दुरूपयोग कर उपचुनाव जीते

भाजपा की लगातार हार पर पुरंदेश्वरी ने खैरागढ़ उप चुनाव का हवाला देते हुए कहा कि सीएम भूपेश बघेल को हर 3 किलोमीटर में सभा लेनी पड़ी। खैरागढ़ में पैसा बहाये। बूथों में मंत्रियों को बैठाया। उप चुनाव में जिला बनाने, हास्पिटल बनाने व कॉलेज खोलने की घोषणा करनी पड़ी। कांग्रेस को जीतने शासन- प्रशासन ने चुनाव लड़ा। सत्ता का दुरुपयोग किया गया। यहां भाजपा-कांग्रेस के बीच मुकाबला नहीं था, बल्कि प्रशासन और भाजपा के बीच चुनाव हुआ।

विकास और कमल ही चुनावी चेहरा-डी. पुरंदेश्वरी

छत्तीसगढ़ भाजपा की प्रदेश प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी के एक सवाल ने छत्तीसगढ़ की सियासत को फिर गरमा दिया है। दरअसल, रायपुर पहुंचते ही मीडिया ने भाजपा के सीएम चेहरे पर सवाल दाग दिया। उन्होंने कहा कि हमारा चेहरा तो विकास है। कांग्रेस से पूछिए कि उनका चेहरा कौन होगा अबकी बार। कांग्रेस को बताना चाहिए कि 2023 में कांग्रेस का चेहरा कौन होगा। मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर भाजपा प्रभारी के सवाल ने सियासी पारा चढ़ा दिया।

एयरपोर्ट पर मीडिया के लोगों ने भाजपा प्रदेश प्रभारी पुरंदेश्वरी से पूछा कि 2023 में भाजपा का चुनावी यानी सीएम का चेहरा तय हुआ या नहीं। उन्होंने कहा कि ये सवाल कांग्रेस से पूछो कि उनका चेहरा कौन होगा। टीएस सिंहदेव, भूपेश बघेल या ताम्रध्वज साहू? उन्हें भी जनता को जवाब देना है। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि भाजपा में विकास और कमल ही चुनावी चेहरा है। केंद्र की मोदी सरकार और उनके नाम पर भाजपा मैदान में उतरेगी। कांग्रेस के 50 प्लस के फार्मूले और यूथ को आगे बढ़ाने को लेकर उन्होंने कहा कि जिस तरह से कांग्रेस ने टीएस सिंहदेव और ताम्रध्वज साहू को धोखा दिया वैसे ही अब आगे भी धोखा देना चाहते हैं। बता दें कि डी. पुरंदेश्वरी प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शामिल होने 2 दिनों के लिए रायपुर आई हैं।

पुलिस की पहल रंग लाई, टूटने से बचे 187 परिवार, पति-पत्नियों को एक दूसरे से हो गई थी नफरत

श्रीकंचनपथ न्यूज

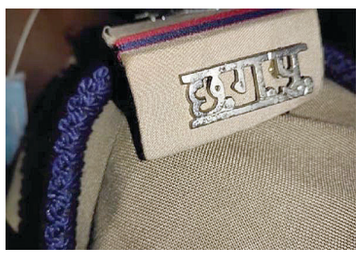

कोरबा। छत्तीसगढ़ की कोरबा पुलिस की खास पहल के लिए सराहना की जाना चाहिए। उसने एक-दो नहीं, बल्कि 187 परिवारों को टूटने से बचाने में अहम भूमिका निभाई है। पति-पत्नियों को एक दूसरे से इतनी नफरत हो गई थी कि वे तलाक की ओर बढ़ रहे थे। दरअसल कोरबा पुलिस ने 'खाकी के रंग परिवार के संग' कार्यक्रम शुरू किया है। सामुदायिक पुलिसिंग की इस पहल के अंतर्गत महिला परामर्श केंद्र में 187 परिवारों को फिर मिलाया गया। पुलिस ने इस पहल को कामयाब बनाने के लिए परामर्शदाताओं को खासतौर से नियुक्त किया था।

परिवार बगैर जीवन अधूरा : सांसद महंत

दंपत्तियों में सुलह के बाद उनके सम्मान के लिए कोरबा के राताखार की एक होटल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कोरबा की सांसद ज्योत्स्ना महंत मुख्य अतिथि थीं। महंत ने अपने संबोधन में परिवार का महत्व बताते हुए कहा कि बगैर परिवार के जीवन अधूरा है। सुखी परिवार सुखमय जीवन का आधार है। आज वह बतौर सांसद जनता की सेवा कर रही हैं तो इसका श्रेय उनके परिवार का है।

परिवार मानव जाति की सबसे बड़ी पूंजी : एसपी पटेल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोरबा के एसपी भोजराम पटेल ने कहा कि परिवार मानव जाति का सबसे बड़ी पूंजी है। बिना परिवार स्वस्थ मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। पुलिस अधीक्षक के रूप में उनके कार्यकाल में पारिवारिक विवाद के 508 आवेदन मिले। सभी दंपतियों की काउंसलिंग की गई। इनमें से 187 का पुनर्मिलन कराने में कामयाबी मिली। सामुदायिक पुलिसिंग के दायित्व का निर्वहन करते हुए कोरबा पुलिस टूटे परिवारों को फिर से मिलाने की पहल कर रही है। एसपी पटेल ने कहा कि आगे भी यह अभियान जारी रखा जाएगा।

कवर्धा पहुंची सीबीआई की टीम

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के आदेश पर जांच शुरू राज परिवार से जुड़े सदस्य की हुई थी हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ में कवर्धा जिले के चर्चित हत्याकांड की जांच करने सीबीआई की टीम दिल्ली से आई है। सीबीआई की टीम ने छत्तीसगढ़ पहुंचते ही कवर्धा रियासत की राजमाता के भांजे की हत्या की जांच शुरू कर दी है। इस जांच टीम में 15 से अधिक सदस्य शामिल है। टीम के फॉरेंसिक एक्सपर्ट ने घटना स्थल को देखा। कुछ स्थानीय लोगों के बयान भी दर्ज किए। एसपी अजय कुमार के नेतृत्व में टीम जांच कर रही है। मृतक की पत्नी ज्योति नायर ने इसे जमीन विवाद में सुपारी किलिंग बताते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। साथ ही पुलिस द्वारा सही जांच नहीं करने का आरोप भी लगाया है।

बता दें कि अगस्त-2021 में विश्वनाथ नायर की हत्या कवर्धा के राजपरिवार के फार्म हाउस हुई थी। राजकीय संपत्ति को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद के बीच राजमाता के भतीजे की हत्या हुई थी। इस चर्चित हत्याकांड की पुलिस द्वारा सही जांच नहीं किए जाने व षड़यंत्र का आरोप लगाते हुए राजपरिवार की ही सदस्य ज्योति नायर ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट में न्यायाधीश रजनी दुबे की सिंगल बेंच में मामला लगा था। कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए 11 जनवरी 2022 को सीबीआई जांच का आदेश दिया है। हालांकि पुलिस इस मामले का पहले ही खुलासा कर चुकी है। पुलिस का दावा था कि 5 लोगों ने मिलकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया है।

पुलिस का दावा- चोरी के दौरान हुई थी हत्या

कवर्धा जिले के पिपरिया थाना के इंदौरी और कोसमंदा गांव के बीच राजपरिवार का कृषि फार्म हाउस है। खेती का काम देखने वाले राजमाता के भतीजे विश्वनाथ नायर का शव यहीं पड़ा मिला था। पुलिस की जांच के मुताबिक घटना की सुबह खेती बाड़ी के कार्य के लिए मजदूर फार्म हाउस पहुंचे तो बाहर का गेट बंद था। इसके बाद मजदूरों ने कमरे में जाकर देखा तो विश्वनाथ नायर का शव खून से लथपथ पड़ा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया था कि चोरी के दौरान 5 लोगों ने मिलकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। चोरी की घटना के दौरान शोरगुल की आवाज से विश्वनाथ की नींद खुल गई। तभी आरोपियों ने पहचान उजागर होने के डर से रॉड से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी।

सीआईएसएफ परीक्षा में धोखाधड़ी, यूपी से दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की भर्ती परीक्षा में धोखाधड़ी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले के छह आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। दुर्ग जिले के पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि सीआईएसएफ अधिकारियों की शिकायत पर पुलिस ने उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के निवासी सत्यपाल सिंह (24) और नत्थीलाल (20) को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को बुधवार को दुर्ग लाया गया। इस महीने की 18 तारीख को जिले के उतई थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि सीआईएसएफकी आरक्षक जीडी-2021 की परीक्षा के दौरान असली अभ्यर्थियों के स्थान पर अन्य लोगों ने परीक्षा दी। बाद में अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक जांच में उंगलियों के निशान और फोटो में असमानता पाई गई। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने सीआईएसएफमें भर्ती कराने के लिए कुछ अभ्यर्थियों से पांच-पांच लाख रुपये लिए थे।

खेमेबंदी के चलते पिछड़े दिग्गज, जितेन्द्र वर्मा बनें दुर्ग जिला भाजपा नए अध्यक्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भाजपा संगठन ने दुर्ग जिले में जितेंद्र वर्मा को जिला अध्यक्ष घोषित किया है इनकी नियुक्ति के बाद से यह खेमेबाजी में बटी भाजपा के फिर एकजुट होने की चर्चा है। जानकार बताते हैं कि भाजपा संगठन बेहतर कदम उठाते हुए जितेंद्र वर्मा को जिला अध्यक्ष बनाया है। जितेन्द्र वर्मा को एक साफ सुथरी छवि का व्यक्ति माना जाता है और वे किसी भी गुट से ताल्लूक नहीं रखते।

बता दें कि दुर्ग जिले में बड़े भाजपा नेताओं की आपसी खींचतान के कारण संगठन लगतार कमजोर होता जा रहा है। पिछले दिनों जेल भरो आंदोलन में भाजपा विजय बघेल, सांसद सरोज पांडेय, उनके भाई राकेश पांडेय और प्रेम प्रकाश पांडेय गुट के बीच आपसी खींचतान खुलकर आ गई थी। भाजपा की बैठक के बाद राकेश पांडेय ने सांसद विजय बघेल खिलाफ बयनबाजी की। वहीं राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय गुट के कुछ नेताओं ने भी सांसद विजय बघेल के खिलाफ जहर उगला था। यहीं नहीं जेल भरो आंदोलन के दिन आमसभा में लगे बैनर से पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय सहित कुछ बड़े नेताओं नाम और फोटो गायब कर दिया गया था। इस दौरान दुर्ग जिले में भाजपा की गुटबाजी खुलकर सामने आई।

जितेन्द्र वर्मा 8 साल से हैं भाजपा विधायक दल के स्थायी सचिव

इसी सब खींचतान को देखते हुए संगठन ने जितेंद्र वर्मा को डॉ. शिवकुमार तमेर की जगह जिलाध्यक्ष बनाया गया है। डॉ शिव कुमार तमेर लंबे समय से अमेरिका में हैं और उन्होंने संगठन से इस्तीफा दे दिया है। बता दें जितेन्द्र वर्मा पाटन विधान सभा के झाड़मोखली गांव के निवासी हैं। जितेंद्र वर्मा बीते 8 सालों से भाजपा विधायक दल के स्थायी सचिव हैं। वे जिलाध्यक्ष के साथ-साथ अपनी पुरानी जिम्मेदारी को भी निभाएंगे। इनकी नियुक्ति से खेमों मे बंटी भाजपा के फिर से एकजुट होने के आसार बढ़ गए है।

बतंगढ़-दीपक रजंन दास

उच्च शिक्षा की अर्थी

बचपन में एक कहानी सुनी थी। सजा सुनाने से पहले एक जज चोर का पक्ष जानना चाहता है। चोर कहता है कि वह अपनी मां को बताएगा। मां को कटघरे के पास बुलाया जाता है। चोर मां की ओर झुकता है और उसके कानों में दांत गड़ा देता है। मां चीख पड़ती है। जब अदालत इसका कारण पूछती है तो वह एक कहानी सुनाता है -एक बार मैंने अपने सहपाठी की कलम चुरा ली और घर पर लाकर मां को दिखाया। कलम देखकर मां खुश हुई। मां ने कहा कि इसे स्कूल मत ले जाना। जिसका है वह पहचान लेगा। यह मेरी पहली चोरी थी। काश! मां ने उस दिन कान मरोड़े होते तो आज मैं निकम्मा न होता।

राज्य में उच्च शिक्षा का हाल भी कुछ ऐसा ही है। विश्वविद्यालयों की नाक के नीचे फर्जी कॉलेज चल रहे हैं। कहीं बिल्डिंग नहीं, कहीं शिक्षक नहीं तो कहीं बच्चे ही नहीं। कालेज वाले कोचिंग कक्षाओं से बच्चों के नाम मांग कर लाते हैं और अपने यहां एडमिशन दे देते हैं। बच्चा कभी कालेज का मुंह नहीं देखता पर रेगुलर स्टूडेंट कहलाता है। कॉलेज के जिम्मेदार गजेटेड अफसर फर्जी कागजों पर दस्तखत करते हैं। नॉन अटेंडिंग स्टूडेन्ट्स को 85 फीसदी अटेंडेंस देते हैं, सेशनल मार्क्स देते हैं। हौसले इतने बुलंद हैं कि अब नॉन अटेंडिंग स्टूडेंट्स के लिए विज्ञापन भी जारी करने लगे हैं, ठीक कलम चोर की तरह। विश्वविद्यालय फटकार भी लगाता है, पर अब पछताए क्या होत है...।

ऐसा नहीं है कि इनकी निगरानी का कोई बंदोबस्त नहीं है। बड़ी-बड़ी टीमें आती हैं, इंस्पेक्शन भी होता है पर कुछ पकड़ में नहीं आता। आए भी कैसे? जांच दल छापा नहीं मारता। वह मुहूर्त निकालकर गाजे-बाजे के साथ बारात लेकर आता है। उसके स्वागत की पूरी तैयारी होती है। सब कुछ नया-नया सा होता है। पांच साल पुराना रजिस्टर भी। लंगड़ी कुर्सी, बिना डंटी का कप, गंदी सिंगल यूज की बोतलें छिपा दी जाती हैं। यह सब तो स्टाफ के लिए है। बोन चाईना क्रॉकरी में चाय नाश्ता परोसा जाता है। रंगोली और आवभगत से टीम खुश हो जाती है। बढ़िया होटल में रात गुजार कर लौट जाती है और अपने ससुराल पक्ष की तारीफ के पुल बांध देती है। कहीं-कहीं बाराती उत्पात भी मचाते हैं, पर ऐसा कम ही होता है। लिहाजा उच्च शिक्षा की अर्थी सज रही है। पहले राज्य से मजदूर पलायन करते थे, अब मेधावी छात्र भाग जाते हैं। अकसर - हमेशा के लिए।

संपादकीय

पद की गरिमा

जब प्रधानमंत्री किसी राज्य के दौरे पर होते हैं, तब उस राज्य के मुख्यमंत्री को राज्य में ही रहना चाहिए। लेकिन चार महीने से भी कम समय में यह दूसरी बार है, जब तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हैदराबाद आगमन पर उनकी अगुवानी करने से परहेज किया है। पद की एक गरिमा होती है, जिसका आदर सभी को करना चाहिए। राजनीति व परस्पर प्रतिद्वंद्विता अपनी जगह है और प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री जैसा महत्वपूर्ण पद अपनी जगह है। आमतौर पर यह परंपरा रही है कि कोई बहुत महत्वपूर्ण कार्यक्रम न हो, तो मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री के दौरे के समय कम से कम राज्य में रहना ही चाहिए। ऐसे में, प्रधानमंत्री की अवहेलना क्या राजनीति का हिस्सा नहीं लगती?

> टीआरएस को राष्ट्रीय पार्टी बनाने की उनकी महत्वाकांक्षा ज्यादा जिम्मेदार है, पर उन्हें परंपरागत औपचारिकताओं का निर्वहन भी जरूर करना चाहिए। सरकार और राजनीति का जरूरत से ज्यादा घालमेल किसी के लिए भी ठीक नहीं है।

शायद आज की राजनीति का स्तर ही ऐसा है कि नैतिकता और गरिमा का कोई खास मोल नहीं रह गया है। कुछ नेता तो सामान्य औपचारिकता से भी ऊपर उठ गए हैं और अक्सर कोशिश करते हैं कि प्रधानमंत्री से सामना ही न हो। अति-महत्वपूर्ण बैठकों में भी अपने किसी प्रतिनिधि या अधिकारी को भेज देते हैं। अफसोस की बात है, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के हैदराबाद आगमन से कुछ ही घंटे पहले हैदराबाद से बेंगलुरु के लिए उड़ान भरी। जब वर्तमान प्रधानमंत्री शहर में थे, तब मुख्यमंत्री पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा से मिलने बेंगलुरु पहुंच गए थे। शायद इसलिए भी प्रधानमंत्री की हैदराबाद यात्रा बहुत संक्षिप्त रही। किसी भी नए राज्य के मुख्यमंत्री को तो विशेष रूप से प्रधानमंत्री के आगमन का इंतजार रहना चाहिए, प्रधानमंत्री के साथ एक-दो बैठकों की मांग करनी चाहिए, ताकि राज्य के लिए कुछ खास हासिल करने की कोशिश की जा सके। तेलंगाना के मुख्यमंत्री राव ने न केवल यह मौका गंवा दिया, बल्कि इसका जो व्यापक संदेश गया है, वह राव की तेलंगाना राजनीति के भले मुफीद हो, लेकिन नए राज्य के लिए अच्छी बात नहीं है। प्रधानमंत्री इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) के 20वें वार्षिक समारोह में शामिल होने के लिए हैदराबाद में थे। सवाल यह भी है कि क्या संस्थान ने मुख्यमंत्री को आमंत्रित नहीं किया था? क्या देश में ऐसा समय आ गया है, जब कुछ राज्यों में हम प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को एक मंच पर साथ नहीं देख सकते? क्या दलगत राजनीति ने हमें इतना विभाजित कर दिया है? समकालीन राजनीति में यह भी दर्ज हो गया है कि राव ने 5 फरवरी को हैदराबाद पहुंचने पर प्रधानमंत्री की अगवानी नहीं की थी और उन दो कार्यक्रमों में भी शामिल नहीं हुए थे, जिनमें प्रधानमंत्री मौजूद थे। एक पहलू यह भी है कि के चंद्रशेखर राव खुद को विपक्ष के नेता के रूप में दर्शाना चाहते हैं, इसलिए वह सोची-समझी रणनीति के तहत प्रधानमंत्री के साथ दिखना नहीं चाहते। पूर्व प्रधानमंत्री से मिलने के लिए वह दल-बल के साथ गए और उसके बाद अन्ना हजारे से मिलने उनके गांव जाएंगे। वह इन दिनों विभिन्न दलों के नेताओं के साथ विचार-विमर्श में जुटे हैं। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के प्रमुख राव अभी चार दिन दिल्ली में थे, आप पार्टी के दिग्गज नेताओं के साथ मिलने के अलावा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ एक कार्यक्रम में भी रहे थे। टीआरएस को राष्ट्रीय पार्टी बनाने की उनकी महत्वाकांक्षा ज्यादा जिम्मेदार है, पर उन्हें परंपरागत औपचारिकताओं का निर्वहन भी जरूर करना चाहिए। सरकार और राजनीति का जरूरत से ज्यादा घालमेल किसी के लिए भी ठीक नहीं है।

एक बबूले का फूटना

भारत में पिछला साल स्टार्टअप कंपनियों में भारी-भरकम निवेश का साल रहा। इन कंपनियों ने रिकॉर्ड 35 अरब डॉलर का निवेश जुटाया था। लेकिन सफलता की लहर जिस तेजी से आई थी, उसी तेजी से लौटने भी लगी है। कोरोना काल में जब भारत की आम अर्थव्यवस्था हिचकोले खा रही थी, तब सरकार की उदार मौद्रिक नीति ने शेयर मार्केट की चमकार और बढ़ा दी। इसका बड़ा फायदा स्टार्टअप्स को मिला। उनमें से कई स्टार्टअप देखते-देखते यूनिकॉर्न बन गए। यानी ऐसे स्टार्टअप जिनका बाजार मूल्य एक अरब डॉलर या उससे ज्यादा हो। जाहिर है, सत्ताधारी नेताओं ने जोर-शोर से यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स का प्रचार दुनियाभर में किया। लेकिन ये यूनिकॉर्न अब हांफते दिखाई दे रहे हैं। वहां नौकरियां जा रही हैं और कंपनियां लड़खड़ा रही हैं। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी एमेजॉन के प्रतिद्वन्द्वी के रूप में देखी गई भारतीय स्टार्टअप कंपनी मीशो में पिछले साल सॉफ्टबैंक और फिडेलिटी जैसे बड़े निवेशकों ने करोड़ों का निवेश किया था। उससे कंपनी की बाजार कीमत दोगुनी से ज्यादा बढ़कर पांच अरब डॉलर तक पहुंच गई।

> **जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुखिया दिलबाग सिंह का कहना है कि सीमा पार से होने वाली घुसपैठ में पिछले एक साल में आई कमी और स्थानीय युवकों का आतंकवाद की तरफन जाना भी शांति का एक संकेत है। शासन-प्रशासन से भी अलगाववादी तत्वों का सफाया काफी उत्साहजनक है। इन तमाम वजहों से यही लगता है कि पाकिस्तान चाहे अब जितनी भी साजिश रच ले, अलगाववादी ताकतों को अब कश्मीर में अपने पैर पसारने का मौका पहले की तरह नहीं मिलने वाला।**

जानलेवा अलगाव का इलाज जरूरी

अश्वनी कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

करीब तीन दशक के लंबे इंतजार के बाद खूंखार आतंकवादी और तथाकथित जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के चेयरमैन यासीन मलिक को बुधवार को दिल्ली की अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई। इस फैसले से कश्मीरी अलगाववादियों और आतंकवादियों को यह साफ संदेश जाएगा कि नरेंद्र मोदी सरकार आतंकवाद से नरमी से नहीं, बल्कि पूरी सख्ती से निपटने वाली है। जम्मू-कश्मीर का यह दूसरा ऐसा मामला है, जिसमें किसी कश्मीरी आतंकवादी को हत्या के मामले में उम्रकैद दी गई है। इससे पहले एक अन्य कश्मीरी अलगावादी नेता और दुख्तरान-ए-मिलत की मुखिया दरक्शां अंद्राबी के पति डॉ कासिम फक्तू को 2001 में कोर्ट ने कश्मीरी मानवाधिकार कार्यकर्ता हृदयनाथ वांचू के कत्ल के मामले में आखिरी सांस तक जेल में रखने की सजा सुनाई थी। तभी से दोनों पति और पत्नी जेल में सजा भुगत रहे हैं।

यासीन मलिक को अभी 'टेरर फंडिंग केस' यानी आतंकवाद को वित्तीय रूप से पोषित करने के मामले में उम्रकैद सुनाई गई है और कुछ कश्मीरी अलगाववादी ने कोर्ट के आदेश से पहले घाटी के कुछ इलाकों में पथराव की कोशिश की है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों ने जिस तरह से पत्थरबाजों को नियंत्रित किया है, उससे मामला कुल मिलाकर नियंत्रण में है। पाकिस्तानी एजेंसियों और कश्मीरी अलगाववादी नेताओं को अब यह बात साफ समझ आ जानी चाहिए कि यासीन मलिक को अब उसके अपराध की सजा पाने से बचाना मुश्किल है। किसी न किसी बहाने से ये अलगाववादी अब तक बचते आए हैं। ये ऐसे लोग हैं, जो आतंकवाद या आतंकवादी हिंसा की निंदा कभी नहीं करते और इनका मकसद हर हाल में भारत सरकार और भारतीय संगठनों को निशाना बनाना होता है।

यासीन पर अभी भी अदालत में कई और संगीन मुकदमे चल रहे हैं, जिनमें फांसी तक की सजा सुनाई जा सकती है। दसवीं पास और अपने आपको गांधीवादी बताने वाले यासीन मलिक पर 25 जनवरी,1990 को स्क्वॉर्डन लीडर रवि खन्ना समेत वायुसेना के चार अधिकारियों की हत्या का मामला भी अदालत में चल रहा है। इसके अलावा, उस पर आतंकवाद से जुड़े लगभग 50 मामले अदालत में विचाराधीन हैं।

यासीन मलिक को मालूम था कि इतनी हत्याओं के मामलों में उसका बचना मुश्किल है और उसने अपने आपको भला आदमी दिखाने के लिए गांधीवादी घोषित कर दिया था। आखिर एक आतंकवादी या आतंकवाद की निंदा न करने वाला व्यक्ति कैसे गांधीवादी बन सकता है, यह सवाल आमलोग अक्सर पूछते रहे हैं। पहले की सरकारों की नीतियों का फायदा उठाते हुए ऐसे आतंकवादी अपनी एक सार्वजनिक छवि बना लेते रहे और खुद को बहुत समझदार व्यक्ति के रूप में पेश करने की कोशिश करते रहे हैं।

जब से जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा नेकेंद्रशासित प्रदेश की बागडोर संभाली है, तब से आतंकवादियों और अलगाववादियों की कमर टूट गई है। अधिकतर ऐसे लोग जेल में हैं। हार्डकोर अलगाववादी नेताओं को तो जोधपुर, बठिंडा, तिहाड़, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और जम्मू की कोट भलवाल जेलों में भेज दिया गया है। सरकार ने यह तय कर लिया है कि चाहे कुछ भी करना पड़े, लेकिन आतंकवाद के 'इको-सिस्टम' को अब खत्म करना है।

उप-राज्यपाल ने एक उच्च स्तरीय स्क्रीनिंग समिति बनाकर भारत विरोधी तत्वों को सरकारी नौकरियों से निकालना शुरू कर दिया है। इनमें से कुछ ऐसे सरकारी कर्मचारी भी हैं, जो पाकिस्तान में हथियार चलाने का प्रशिक्षण लेकर आने के बावजूद वर्षों से सरकारी खजाने से तनख्वाह भी लेते रहे हैं। ऐसे ही लोग पिछले 32 साल से आतंकवाद के मददगार रहे हैं। मलिक को उम्रकैद की सजा मिलने से पहले और उसके बाद कश्मीर घाटी में कुछ छिटपुट घटनाएं जरूर हुई हैं और इनके पीछे भी यही तत्व हैं। अब अलगाववादी ही नहीं, आतंकवादी भी हताश होने लगे हैं। टीवी अभिनेत्री की हत्या में भी उनकी हताशा व कायरता साफ नजर आती है। जाहिर है, आने वाले दिनों में युवाओं को बरगलाया जाएगा। पत्थरबाजी तेज कराने की कोशिश की जाएगी, वे चाहेंगे कि क्रॉस फायरिंग में युवक मारे जाएं और फिर 2010 और 2016 जैसा खूनखराबा हो। साल 2010 की हिंसक घटनाओं में वादी में 112 लोगों की जान गई थी। दरअसल, अप्रैल 2010 में फौजी दावे के मुताबिक सीमावर्ती जिला कुपवाड़ा के मचैल सेक्टर में तीन आतंकवादियों को तब मारा गया था, जब वे सीमा पार कर रहे थे। पर बाद में वे बेकसूर पाए गए। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के तत्कालीन नेता सईद अली शाह गिलानी और मिरवाइज उमर फारूक विरोध प्रदर्शन करा रहे थे।

यही हाल कश्मीरी अलगाववादी नेताओं ने 2016 में हिजबुल मुजाहिदीन के कमांडर बुरहान वानी के मरने पर किया था। उस समय करीब 120 लोग मारे गए थे, और 15,000 से ज्यादा जख्मी हुए थे। तब पांच फौजी और पुलिस वाले भी शहीद हुए थे और 4,000 जख्मी हुए थे। करीब दो महीने तक घाटी के अधिकतर जिलों में कर्फ्यू रहा था। यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि अलगाववादी लगातार खूनखराबे के पक्ष में हैं।

पर इस बार हालात बदले हुए हैं। केंद्र और जम्मू-कश्मीर सरकार दृढ़ है कि फिर से वैसा होने नहीं दिया जाएगा। सरकार ने तय कर लिया है कि जो भी आतंकी गतिविधियों में लिप्त होगा या आतंकवादियों की मदद करता पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पिछले एक वर्ष में जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में काफी कमी आई है, जिससे पाकिस्तान काफी परेशान है। सीमा पार बैठे अलगाववादियों और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई को लगता है, अगर ऐसा माहौल कश्मीर में रहेगा, तो उनकी सारी साजिशें नाकाम हो जाएंगी। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुखिया दिलबाग सिंह का कहना है कि सीमा पार से होने वाली घुसपैठ में पिछले एक साल में आई कमी और स्थानीय युवकों का आतंकवाद की तरफन जाना भी शांति का एक संकेत है। शासन-प्रशासन से भी अलगाववादी तत्वों का सफाया काफी उत्साहजनक है। इन तमाम वजहों से यही लगता है कि पाकिस्तान चाहे अब जितनी भी साजिश रच ले, अलगाववादी ताकतों को अब कश्मीर में अपने पैर पसारने का मौका पहले की तरह नहीं मिलने वाला।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ऐसे तो क्वाड से कुछ हासिल नहीं

अजीत द्विवेदी

हिंद-प्रशांत के चार बड़े लोकतांत्रिक देशों के समूह क्वाड के नेता जापान में मिल रहे हैं। क्वाड के नेताओं की यह पहली 'इन-पर्सन' मुलाकात है। पांच साल पहले इसके गठन के बाद से दो बार इसके नेताओं का वर्चुअल सम्मेलन हुआ है लेकिन पहली बार चारों नेता आमने-सामने मिल रहे हैं। क्वाड यानी 'क्वाड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग' या 'क्वाड्रिलेटरल इनीशिएटिव' का सुझाव देने वाले शिंजो आबे अब जापान के प्रधानमंत्री नहीं हैं। उनकी जगह प्रधानमंत्री बने फुमियो किशिदा पहले 'इन-पर्सन' क्वाड सम्मेलन की मेजबानी कर रहे हैं। आबे ने सबसे पहले 2016 में इस तरह के एक समूह के गठन का सुझाव दिया था। वे चीन की विस्तारवादी नीतियों और हिंद-प्रशांत का सैन्यकरण करने के उसके प्रयासों से चिंतित थे। उनके प्रयास का नतीजा था कि जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका ने 2017 में एक समूह बनाया।

क्वाड का गठन एक बड़ी वैश्विक परिघटना थी और इसने सारी दुनिया का ध्यान खींचा था। यह माना गया था कि चार बड़े लोकतांत्रिक देश मिल कर चीन के विस्तारवाद पर लगाम लगाएंगे, हिंद-प्रशांत को चीन के सैन्य अड्डे में बदलने से रोकेंगे और इसे एक सुरक्षित क्षेत्र के रूप में स्थापित करेंगे। क्वाड के कई घोषित मकसद में से मुख्य मकसद हिंद-प्रशांत को सुरक्षित क्षेत्र बनाना है। सवाल है कि क्या पिछले पांच साल में क्वाड अपने इस मकसद में कामयाब हुआ है? या कोई ऐसी ठोस पहल हुई है, जिससे लगे कि चारों देश इस दिशा में आगे बढ़े हैं? अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि औपचारिक वर्चुअल मुलाकातों और बातों के अलावा क्वाड अभी तक अपने किसी मकसद को नहीं हासिल कर पाया है। उलटे पिछले पांच साल के इसके कामकाज से चीन के विदेश मंत्री वांग यी की कही यह बात ज्यादा साकार हुई है कि यह 'सुर्खियां बटोरने वाला आइडिया है और यह उसी तरह गायब हो जाएगा, जैसे हिंद या प्रशांत महासागर में उठने वाली झाग खत्म हो जाती है'।

वांग यी का बयान हो या चीन का आचरण हो, उससे प्रत्यक्ष रूप से यह नहीं लगा कि वह क्वाड से परेशान है। हो सकता है कि अंदर अंदर उसे इसकी चिंता हो और वह इससे निपटने के उपाय भी कर रहा हो लेकिन ऐसा उसने जाहिर नहीं होने दिया। हिंद-प्रशांत के चार बड़े देशों की पहल के बावजूद उसका आश्वस्त होना सिर्फ इस कारण से है कि ये चारों देश कारोबार के लिए चीन पर निर्भर हैं। चीन के साथ भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका का कारोबार कितना बड़ा है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इन चार देशों के साथ चीन का ट्रेड सरप्लस सालाना करीब सात सौ अरब डॉलर का है। यानी ये चार देश मिल कर चीन को जितना निर्यात करते हैं उससे सात सौ अरब डॉलर ज्यादा का आयात करते हैं। यह चीन की असली आर्थिक ताकत है, जिसके दम पर वह हिंद-प्रशांत में भी और दूसरे क्षेत्रों में भी अपना सैन्य विस्तार कर रहा है। इसमें अकेले अमेरिका के साथ उसका ट्रेड सरप्लस चार सौ अरब डॉलर का है। चीन के कुल ट्रेड सरप्लस में करीब 60 फीसदी हिस्सा अकेले अमेरिका का है। भारत के साथ भी उसकी सालाना कारोबार अधिकता बढ़ कर 80 अरब डॉलर हो गई है। चीन की विस्तारवादी नीतियों का सबसे बड़ा और पहला शिकार भारत है। उसने मध्य एशिया के देशों से अपना सीमा विवाद निपटा लिया है और पूर्वी व दक्षिण पूर्वी एशिया में उसका विवाद ज्यादातर समुद्री सीमा को लेकर है। दक्षिण एशिया में भारत अकेला देश है, जिसकी सीमा चीन खा रहा है। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पिछले आठ साल में चुमार से लेकर डोकलाम और अब पूर्वी लद्दाख में चीन ने सीमा विवाद और सैन्य टकराव बढ़ाया है। इसके बावजूद चीन के ऊपर भारत कोई आर्थिक दबाव नहीं डाल पाया है। पूर्वी लद्दाख में दो साल से चल रहे सीमा विवाद और गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बावजूद चीन के साथ भारत का कारोबार बढ़ता जा रहा है। अब तक के इतिहास में पहली बार भारत ने चीन के साथ एक सौ अरब डॉलर से ज्यादा का कारोबार किया है। सोचें, एक तरफ चीन का सैनिक विस्तारवाद है और उसे रोकने के लिए क्वाड पहल है तो दूसरी ओर चीन के साथ कारोबार का विस्तार है। जाहिर है भारत का नेतृत्व मुहंजबानी जो पहल करे लेकिन हकीकत में वह वास्तविक खतरे से मुंह मोड़े हुए है। जब तक भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका चारों देश चीन के ऊपर आर्थिक दबाव नहीं डालेंगे, तब तक उसके सैन्य विस्तार को रोकना नामुमकिन होगा।

कम से कम अभी तो इसकी संभावना नहीं दिख रही है कि अमेरिका या भारत कोई आर्थिक दबाव देंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तो चीन को राहत देनी ही शुरू कर दी है। चीन ने अमेरिका के साथ हुए कारोबार समझौते के पहले चरण की शर्तों को 2020 की तय समय सीमा तक पूरा नहीं किया, इसके बावजूद बाइडेन प्रशासन ने सख्ती नहीं दिखाई।

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

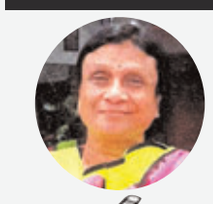

मैं जड़ नहीं मूड नहीं स्वाधीन,
चैतन्य स्वरूप शुद्ध,
स्वछंद आत्मा हूं.
जो भी मिले उसमें
लीन हूं।

-अंजली जैन
7024460938

मनुष्यः स्वार्थी, यांत्रिक व्यवहार!

हरिशंकर व्यास

लोग क्या जलवायु परिवर्तन, पृथ्वी की चिंता कर सकते हैं? अपना व्यवहार बदलेंगे? असंभव है। ज मनुष्य स्वकेंद्रित स्वार्थी है न कि रेशनल। विज्ञान के नए शोध अनुसार मनुष्य दिमाग की 99 प्रतिशत प्रोसेसिंग अवचेतन में स्वचालित है। भ्रम है कि मनुष्य, चेतन प्रकृति का जीव है। असलियत में उसकी चेतना अतीत और भविष्य के सबक व समझ के बिना होती है।जो प्रजाति, जितनी अधिक कहानियों में जीती है, वह उतनी ही जड़ स्वभाव में कष्टदायी, द्वेषपूर्ण, वेदनापूर्ण, आत्महंता जिंदगी जीती है। ऐसे लोगों में मौलिक बुद्धि का खिलना संभव नहीं है।

प्रलय का मुहाना-18ः आठ अरब लोग क्या जलवायु परिवर्तन, पृथ्वी की चिंता कर सकते हैं? क्या अपना व्यवहार बदलेंगे? असंभव है। कई वजह है। जैसे, व्यक्ति का दिल-दिमाग स्वभाव और व्यवहार के मामले में डीएनए से हार्डवायर्ड है। चिम्पांजी के गुणसूत्रों में उसका आचरण है। पशु एनिमेलिया के पशुओं जैसी बेसुधी में इंसान जीता है। व्यवहार ढर्रे और यथास्थिति का है। मनुष्य स्वकेंद्रित स्वार्थी है न कि रेशनल। विज्ञान के नए शोध अनुसार मनुष्य दिमाग की 99 प्रतिशत प्रोसेसिंग अवचेतन में स्वचालित है। भ्रम है कि मनुष्य, चेतन प्रकृति का जीव है। असलियत में उसकी चेतना अतीत और भविष्य के सबक व समझ के बिना होती है। तभी आश्चर्य नहीं जो मनुष्य प्रजातियां लड़ते-लड़ते बरबाद होती हैं लेकिन फिर भी निरंतर नए-नए संहारक हथियारों को बनाती है। मनुष्य को झूठ, धोखे, चोरी, लालच, तनाव, आत्महत्या, दूसरों की हत्या, अत्याचार, नरसंहार सभी के पाप का बोध है लेकिन फिर भी इन पापों का आचरण है! ऐसे भी धर्मावलंबी हैं, जो पृथ्वी को मृत्युलोक मानते हैं। स्वर्ग की हूरों के ख्याल में जनसंहार करते हैं। ऐसी जमातों के लोग तब यह भी सोच सकते हैं कि पृथ्वी खत्म हो तो जन्म-जन्मांतर के कष्टों से मुक्ति मिले। पृथ्वी के प्राण पखेरू, उसकी हवा-पानी को यमराज हर ले तो मृत्युलोक खत्म हो और वे स्वर्ग जाएं।

जाहिर है मनुष्य की कहानियां ऐसी हैं, जिनसे लड़ना, मरना, जिहाद करना, पर्यावरण के प्रति बेपरवाही सब स्वभावगत है। इसलिए पृथ्वी परमाणु विस्फोटों, आग-गर्मी, गैसों से सूखती, बरबाद, बंजर कल होती हो तो आज हो।

ऐसे कितने प्रतिशत लोग होंगे? बहुसंख्यक! जितना अनुमान लगाएंगे उतना लगेगा कि कौन नहीं है, जो पृथ्वी की बजाय कल्पनाओं का स्वर्ग नहीं चाहता!

जड़ स्वभाव

मनुष्य के ख्यालों-स्वभावों को विज्ञान ने बहुत भेदा है। दिल-दिमाग की गहरी प्रोसेसिंग के साथ मनुष्य को सत्य समझाने की कोशिशें भी हैं। लेकिन मनुष्य दिमाग ऑटोमेटिक पशुगत यांत्रिकता में गुंथा है। वह निज स्वार्थों, जात-खाप-समाज की खोल में बंद है। इन्हीं के दिमागी मॉड्ल हैं।

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

नमन ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
9926278943
9406434001
पताः- आदर्श नगर, पेट्रोल पंप के पास, दुर्ग (छ.ग.)

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

सुशील म्युजिकल
इलेक्ट्रीक शाही बेन्जो के निर्माता
सभी प्रकार के संगीत वाद्य यंत्र के विक्रेता
स्टेशन रोड, फरिश्ता काम्प्लेक्स के पास, दुर्ग (छ.ग.) - 491001
मो.-9993626855, फो.-07884010027
e-mail-sushilmusical@gmail.com

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

चिराग परियोजना : पोषण प्रकोष्ठ की स्थापना एवं प्रबंधन-चिराग परियोजना संबंधी कार्यशाला सम्पन्न

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन तथा विश्व बैंक एवं अंतराष्ट्रीय कृषि विकास कोष द्वारा वित्तपोषित चिराग परियोजना पोषण प्रकोष्ठ की स्थापना एवं प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला 25 एवं 26 मई को नवा रायपुर स्थित राज्य योजना आयोग के महात्मा गांधी सभागार में आयोजित की गई।

कार्यशाला में नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन, यूनिसेफइकोलॉजी फ़ॉर रिस्टोरेशन अलाइव एंड थ्राईव जैसी संस्था और स्थानीय गैर सरकारी संस्था के साथ विचार विमर्श कर स्थानीय कन्द मूल, फल, भाजी, मिलेट्स को आधार बनाकर मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान तथा महिला बाल विकास, स्कूल शिक्षा, आदिवासी कल्याण ,कृषि विभाग इत्यादि के समन्वय से जागरूकता, सामर्थ्य और पहुंच बढ़ाने पर कार्य करने हेतु सुझाव दिए गए। महिलाओं एवं बच्चों को पोषण युक्त भोजन के प्रति जागरूकता लाने तथा स्थानीय पोषक तत्वों से युक्त खाद्यान्नों की उपज को बढ़ावा देने छत्तीसगढ़ के जन जाति क्षेत्रों में पोषण युक्त फसल उत्पादों को बढ़ावा देने और सुरक्षित संग्रहण तथा उचित ट्रांसपोर्टेशन सहित पोषण के अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों के संबंध में कार्यशाला में प्रतिभागियों द्वारा अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए गए। राज्य स्तर पर गठित होने वाले पोषण प्रकोष्ठ में अन्य विभागों के समन्वय व निगरानी की भूमिका पर बल देने का निर्णय लिया गया। वर्ल्ड बैंक से टास्क टीम लीडर राज गांगुली ने पोषण प्रकोष्ठ की संकल्पना को मूर्त रूप देने में सभी के प्रयास को आवश्यक बताया।क्षेत्रीय और पोषण युक्त खाद्य को बढ़ावा देने तथा सरप्लस उत्पाद को बाजार की समझ के आधार पर जोड़ने की महत्ता पर जोर दिया।

चिराग की प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने सभी विभागों एवम गैर सरकारी संस्थाओं की सम्मिलित भागीदारी की बात कही।

साथ ही पोषण संबंधित नवाचार को समुदाय के बीच ले जाने और कृषक उत्पादक संगठन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। कार्यशाला में भाग लेने वाले सदस्यों को पोषण प्रकोष्ठ की स्थापना करने के संबंध में गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए। स्थानीय आजीविका के माध्यम से खाद्य सुरक्षा हासिल करने के संबंध में व्यापक विमर्श किया गया एवं महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

कार्यशाला में चिराग परियोजना की संचालक श्रीमती चंदन त्रिपाठी, विश्व बैंक से टास्क टीम लीडर श्री राज। गांगुली, पोषण सलाहकार श्रीमती लक्ष्मी दुर्गा, पोषण विशेषज्ञ राज्य शासन के कृषि विभाग, सहित अन्य विभागों के अधिकारी, स्वयं सेवी संस्थाओं एवं संगठनों के प्रतिनिधि एवं चिराग परियोजना टीम के सदस्यों ने भाग लिया।

दिव्यांग बच्चों के समावेशी विकास के लिए बैठक आयोजित

समाज कल्याण विभाग की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के समन्वय के लिए हुई चर्चा

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। समाज कल्याण विभाग की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के समन्वय के लिए हुई चर्चाछत्तीसगढ़ में मानसिक रूप से अक्षम और दिव्यांग बच्चों की समुचित प्रारंभिक देख-रेख, शिक्षा, चिकित्सा और उनके पालकों में जागरूकता के लिए समाज कल्याण विभाग की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में दिव्यांग बच्चों को सामान्य बच्चों के साथ तालमेल बैठाते हुए समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ाने पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में समाज कल्याण विभाग के उपसचिव राजेश तिवारी, चिल्ड्रन इन इंडिया संस्था के फाउंडर ट्रस्टी डॉ. संतोष जॉर्ज सहित महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद थे। चिल्ड्रन इन इंडिया संस्था के फाउंडर ट्रस्टी डॉ. संतोष जॉर्ज ने बताया कि भारत में हर साल जन्मे 15 लाख बच्चे जन्मजात विसंगति और लगभग 25 लाख बच्चे विकासात्मक विलम्ब से पीड़ित होते हैं। ऐसे बच्चों की समय पर पहचान और चिकित्सा होने से उन्हें सामान्य जीवन दिया जा सकता हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी के कारण ऐसे बच्चों को आंगनबाड़ी या स्कूल नहीं भेजा जाता हैं। इससे भी उनका सामान्य विकास बाधित होता है। इस दिशा में आगे बढ़कर काम करने की जरूरत है। संस्था की डिस्ट्रिक्ट कोऑडिनेटर सरिता ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया कि सेरीब्रल पाल्सी, दृष्टि दोष, क्लब फुट, बहरापन, डाउनसिंड्रोम, डेव्हलपमेंटल डिसप्लेसिया ऑफ हिप, ऑटिज्म जैसी कई विकृतियों से ग्रसित बच्चों के स्वतंत्र और स्वावलंबी जीवन के लिए जागरूकता की जरूरत है।

समाज कल्याण विभाग के उपसचिव तिवारी ने कहा कि हर बच्चों को विकास का समान अधिकार है। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और लगातार प्रयास कर रही है।

राज्य सरकार विभिन्न विभागों के समन्वय से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान कर उनके समग्र विकास का निरंतर प्रयास कर रही है। इस दिशा में बच्चों के समावेशी विकास की दिशा में पहल की जा रही है। बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों के सहयोग के लिए उनके प्रशिक्षण पर चर्चा की गई जिससे उन्हें विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के प्रति अधिक संवेदी और दक्ष बनाया जा सके। इसके साथ ही बच्चों के डाटा कलेक्शन, स्क्रीनिंग, थैरेपी और सोशल काउंसलिंग पर चर्चा की गई।

खास खबर

पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनियों के साथ इथेनॉल खरीदी के लिए आगामी छः माह की अवधि में आवेदन आमंत्रित

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा इथेनॉल उत्पादकों एवं प्रस्तावित उत्पादित इकाइयों से पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनियों के साथ इथेनॉल खरीदी के लिए आगामी छः माह की अवधि में आवेदन आमंत्रित किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा 22 अप्रैल 2022 को इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह सुविधा ऐसे इकाइयों को प्रदान की जाएगी, जिन्होंने फीड स्टॉक जैसे अनाज (चावल, गेहूं, जौ, मक्का तथा सोरघम), गन्ना (चीनी, चीनी सिरप, गन्ने के रस, बी-हैवी शीरा, सी-हैवी शीरा) सहित चुकन्दर आदि के फर्स्ट जनरेशन के उत्पादन हेतु अपनी मौजूदा इथेनॉल डिस्टिलेशन क्षमता में वृद्धि की हो अथवा नई डिस्टलरी स्थापित करने के लिए इथेनॉल परियोजना हेतु भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है तथा इथेनॉल उत्पादन हेतु पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त कर ली हो।

कौशल विकास के साथ बढ़ाये महिला समूहों की आय-कलेक्टर

रायगढ़। महिला समूहों की आय बढ़ाने के लिए उनका कौशल विकास (स्किल डेवल्पमेन्ट)बेहद जरूरी है। नयी तकनीकों और विधाओं को सीखकर महिला समूह रोजगार के नये अवसर सृजित कर सकती है। इसके लिए आवश्यक है कि उन्हें जरूरी प्रशिक्षण दिया जाए। चाहिए। यह बातें कलेक्टर भीम सिंह ने जिले के गौठानों में तैयार मल्टी एक्टिविटी सेंटर्स के निरीक्षण के दौरान कही। सीईओ जिला पंचायत डॉ.रवि मित्तल भी इस दौरान उपस्थित रहे। कलेक्टर सिंह ने सबसे पहले भेलवाटिकरा गौठान में राधा स्व-सहायता समूह द्वारा चलाये जा रहे फ्लाईऐश ब्रिक यूनिट को देखा।

मुख्यमंत्री ने बर्न यूनिट के स्टाफसे कहा- बहुत बढ़िया बना है, इसे मेन्टेन रखना

मुख्यमंत्री ने महारानी अस्पताल में बर्न यूनिट एवं डी-एडिकक्सन यूनिट का लोकार्पण किया

श्रीकंचपथ न्यूज

बस्तर संभाग के बर्न और नशा पीड़ित मरीजों को मिलेगी बेहतर इलाज की सुविधा

रायपुर।मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जगदलपुर के महारानी अस्पताल में बर्न यूनिट और डी-एडिकक्सन यूनिट का लोकार्पण किया। उन्होंने अस्पताल के नवलोकार्पित वार्डों सहित अस्पताल के मैटरनिटी वार्ड, हमर लैब और ब्लड बैंक का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने बर्न यूनिट के निरीक्षण के दौरान स्टाफ से कहा- बहुत बढ़िया बना है, इसे मेन्टेन कर के रखना।

महारानी अस्पताल में मातृ शिशु स्वास्थ्य संस्थान ''कादम्बिनी'' के प्रसव पश्चात देखभाल वार्ड में मुख्यमंत्री ने शिशुवती माताओं से भेंट की। उन्होंने माताओं को फूलों की टोकरी और बेबी केअर किट भेंट किया । मुख्यमंत्री ने माताओं को शिशु के जन्म पर हार्दिक बधाई और बच्चों की उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अस्पताल में सीसीटीवी सहित सुरक्षा आदि की व्यवस्था के सम्बंध में पूछा और अस्पताल में कैंसर पीड़ित मरीजों के इलाज तथा डॉ खूबचन्द बघेल योजना के तहत लोगों को मिल रहे मुफ्त इलाज की सुविधा के सम्बंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में रोज भर्ती हो रहे मरीजों की संख्या पूछी।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने महारानी अस्पताल परिसर में ब्लड बैंक और हमर लैब का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां ब्लड यूनिट कलेक्शन, डोनेशन क्लब के तहत जरूरतमंद मरीजों को रक्त की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि यहां के ब्लड बैंक से क्रिटिकल मरीजों को सभी ब्लड ग्रुप के ब्लड दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने हमर लैब में जांच कराने आये मरीजों से उनका हाल चाल जाना।

मुख्यमंत्री ने महारानी अस्पताल के डीएडिक्शन यूनिट में नशामुक्ति का इलाज करा रहे अजहर से बातचीत की।

मुख्यमंत्री को अज़हर ने बताया कि वह मध्य प्रदेश का रहने वाला है और विगत 20 दिनों से यहां इलाज करा रहा है। अज़हर ने बताया उसे मादक पदार्थ सेवन की लत थी, इस बुरी आदत से निजात पाने के लिए वह डीएडिक्शन यूनिट में भर्ती हुआ है। मुख्यमंत्री ने अज़हर को नशा छोड़ कर सामान्य जीवन व्यतीत करने प्रेरित करते हुए कहा कि अब नशा मत करना। अज़हर ने कहा कि जी मैं अब नशा नहीं करूंगा। मुख्यमंत्री ने महारानी अस्पताल के ट्रामा एवं बर्न यूनिट का लोकार्पण कर वहां के मेल और फीमेल बर्न वार्ड का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित बर्न वार्ड के तारीफ की।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल महारानी अस्पताल जगदलपुर में 3 करोड़ रुपये लागत से बने बर्न यूनिट के लिए भवन उन्नयन कार्य, बर्न यूनिट के लिए नियंत्रण एवं समन्वय केंद्र कार्य तथा 2 करोड़ रुपये की लागत से बने स्पर्श क्लिनिक एवं नशामुक्ति वार्ड उन्नयन कार्य का लोकार्पण किया। बर्न एवं ट्रामा युनिट मे 12 बिस्तर वर्न वार्ड, डेडिकेटेड आपरेशन थियेटर, 4 बिस्तर आई. सी. यू. का निर्माण किया गया है। डेडिकेटेड यूनिट के संचालन से बस्तर जिले एवं संभाग की जनता को यह सुविधाये प्राप्त हो सकेंगी साथ ही साथ बर्न जनित विकृति हेतु शल्य किया की व्यवस्था भी अस्पताल में उपलब्ध होगी, उपरोक्त सुविधाओ से मृत्यु एवं रेफर दर भी अपेक्षाकृत कमी आयेगी। स्पर्श एवं डी एडिक्शन सेंटर मे 20 बिस्तर सेट अप का संचालन किया जायेगा। जिसमे मानसिक रोगियों के लिये पृथक ओपीडी, काउंसलिंग, निःशुल्क दवा उपलब्ध करायी जा सकेंगी। इस यूनिट मे शिजोफ्रेनिया, डिप्रेशन, बाईपोलर डिसआर्डर, एन्जाईटी, अल्कोहलिज्म आदि विकारो के उपचार की सुविधा मरीजो को प्राप्त हो सकेंगी एवं आत्महत्या रोकथाम कार्यशाला, तनाव प्रबंधन कार्यशाला, जीवन कौशल कार्यशाला, निःशुल्क मानसिक स्वास्थ्य शिविर, कॉम्बेट स्ट्रेस मैनेजमेट कार्यशाला, योग एवं ध्यान सुविधा केंद्र, साईकोथेरेपी, पेशेंट गार्जियन मिटिंग एवं टेलीमेडिसिन की सुविधायें भी इस इकाई मे उपलब्ध होंगीं।

महारानी अस्पताल के बर्न यूनिट के लोकार्पण और निरीक्षण के बाद अस्पताल के डॉक्टरों सहित नर्सिंग स्टाफ ने मुख्यमंत्री को घेर लिया और उनके साथ फोटो और सेल्फी खिंचवाने की जिद की। मुख्यमंत्री नर्स बहनों के आग्रह को टाल नहीं सके।

भारती विश्वविद्यालय में हुई बौद्धिक अधिकार पर कार्यशाला

श्रीकंचपथ न्यूज

दुर्ग। भारती विश्वविद्यालय में बौद्धिक सम्पदा अधिकार कार्यशाला का आयोजन 25 मई को किया गया। मुख्य वक्ता के रुप में छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिक डॉ. अमित दुबे उपस्थित थे। उन्होंने बौद्धिक सम्पदा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां शोधार्थियों, सामान्य विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को दी। आयोजन में विगत दिनों विश्वविद्यालय में हुई योग पर केन्द्रित निबंध, रंगोली एवं पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। निबंध लेखन में के.रीता राव को प्रथम, रंगोली में इच्छा साहू एवं पेंटिंग में दीक्षांत लोन्हारे को प्रथम पुरस्कार दिया गया। पूरे आयोजन को सार्थकता प्रदान करने में डॉ. रुचि सक्सेना, डॉ. जिज्ञासा पाण्डेय, डॉ.एम.के. घोष एवं डॉ. निधि वर्मा का सराहनीय योगदान रहा।

आयोजन में कुलपति डॉ. एच.के पाठक,अकादमिक प्रमुख डॉ. आलोक भट्ट, परीक्षा नियंत्रक डॉ. ललित भैया, कृषि अभियांत्रिकी प्रमुख डॉ. एस.के. ताम्रकार विशेष रुप से उपस्थित थे। कार्यक्रम की सफलता में कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र कुमार स्वर्णकार का विशेष योगदान रहा। आयोजन की सूत्रधार डॉ. सपना सिंह क्षत्रिय, डॉ. श्रद्धा वैष्णव एवं श्वेता सिंह थी।

जल संसाधन मंत्री चौबे को एमआईसी सदस्य नेहा साहू ने सौंपा ज्ञापन

कुरुद के नहर का कराया जाए जीर्णोद्धार

श्रीकंचपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर निगम के वार्ड 21 कैलाश नगर कुरुद से होकर बहने वाली नहर का अस्तित्व खतरे में है। नियमित रखरखाव के अभाव में यह नहर इस वक्त नाली जैसी हो गई है। वार्ड 21 की पार्षद एवं एमआईसी सदस्य नेहा साहू ने कृषि एवं जलसंसाधन मंत्री रवीन्द्र चौबे को सौंपा ज्ञापन सौंपकर नहर का जीर्णोद्धार कराने की मांग रखी है।

श्रीमती नेहा साहू ने बताया कि 21 कैलाश नगर कुरूद में स्थित नहर जिसका उपयोग गर्मियों में कुरूद गांव के तालाबों को भरने एवं भू जल स्तर को बढ़ाने के लिए किया जाता है। नियमित रखरखाव और संधारण के अभाव में यह नहर विगत कई वर्षों से अपना अस्तित्व खोते जा रही है तथा गांव के अंतर्गत आने वाली इस नहर का स्वरूप नाली में परिवर्तित हो गया है। नहर की उपयोगिता को देखते हुए जीर्णोद्धार कराया जाना आवश्यक है।

इसके लिए विभागीय मंत्री रवीन्द्र चौबे को नहर का विभागीय अवलोकन करवाकर उचित संधारण करवाने हेतु ज्ञापन सौंपा गया है। इस दौरान वार्डवासी वैभव साहू, किरण विश्वकर्मा, रोहन सिंह उपस्थित थे। मंत्री श्री चौबे ने तुरंत संबंधित अधिकारियों को नहर का अवलोकन कर जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

रामगढ़ में स्थापित होगा भगवान राम की विशाल प्रतिमा, पर्यटन मंत्री ने राम वन गमन परिपथ का किया अवलोकन

श्रीकंचपथ न्यूज

अम्बिकापुर। रामगढ़ में भगवान राम की करीब 25 फीट ऊंचाई की विशाल एवं सुंदर प्रतिमा स्थापित होगी। इसके साथ ही यहां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। राम वन गमन परिपथ अंतर्गत वन विभाग द्वारा रामगढ़ में निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

दो दिवसीय जिले के दौरे पर पहुंचे प्रदेश के गृह, जेल एवं पर्यटन मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने गुरुवार को रामगढ़ में चल रहे राम वन गमन परिपथ के कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को तय समय पर गुणवत्ता कार्य निष्पादित करने के

निर्देश दिए ।

श्री साहू ने रामगढ़ की पहाड़ी में स्थित सीता बेंगरा एवं अन्य स्थलों का भी अवलोकन किया। उन्होंने रामगढ़ की प्राकृतिक सौंदर्य को रमणीय और चित्ताकर्षक बताते हुए यहां कि ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने की बात कही।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राम वन गमन परिपथ के तहत रामगढ़ में करीब 8 करोड़ रुपये की लागत से कई निर्माण कार्य कराए जायँगे जिसे आगामी सितंबर माह तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि भगवान राम की 25 फीट ऊंचाई की प्रतिमा का निर्माण कर 12 फीट ऊंचाई की प्लेटफार्म पर स्थापित किया जयेगा। रामगढ़ में वन विभाग एवं पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटन विकास के कार्य किया जा रहा है। राम वन गमन पथ के अंतर्गत रामगढ़ में 100 हेक्टेयर का ओपन कारीडोर बनाए जाएंगे। इसके साथ ही भगवान राम के भव्य मुख्य द्वार का भी निर्माण होगा।

इस दौरान वनमंडलाधिकारी श्री पंकज कमल सहित लोक निर्माण विभाग एवं पर्यटन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने गुरुर विकासखंड मुख्यालय में आयोजित जन चौपाल कार्यक्रम में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

श्रीकंचपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने आज गुरुर विकासखंड मुख्यालय में आयोजित जन चैपाल कार्यक्रम में आसपास क्षेत्र के पहुंचे ग्रामीणों की समस्याओं और मांगो को गंभीरतापूर्वक सुनी और नियमानुसार त्वरित निराकारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जन चैपाल में उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर राशन, पेंशन, पेयजल, शौचालय, आवास, राजस्व प्रकरण के निराकरण आदि से संबंधित समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान ग्रामीणों की शिकायत पर कार्य में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने वाले हल्का नंबर 23 ग्राम खर्रा के पटवारी राजू सोनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। कलेक्टर ने ग्रामीण सोहन लाल के द्वारा बैंक खाते में राशि जमा नहीं होने की शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारी को उनकी समस्या का तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। गुरुर एस.डी.एम. श्रीमती रश्मि वर्मा ने बताया कि आज विकासखंड मुख्यालय गुरुर में राशन, पेंशन, पेयजल, राजस्व, विद्युत, आवास, राशन कार्ड, निर्माण, अतिक्रमण आदि से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए जन चैपाल कार्यक्रम शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि प्राप्त आवेदनों में से 12 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया और शेष आवेदनों का नियमानुसार शीघ्र निराकरण किया जाएगा।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

विशेष अभियान चलाकर विद्यार्थियों को स्कूल में ही स्थायी जाति, निवास प्रमाण-पत्र वितरीत करने के निर्देश

रायपुर। राज्य शासन द्वारा विशेष अभियान के तहत शिविर आयोजित कर निर्धारित समय-बद्ध कार्यक्रम के अनुसार विद्यार्थियों को स्कूल में ही स्थाई जाति, निवास प्रमाण-पत्र तैयार कर वितरीत करने के निर्देश दिए गए हैं। इस आशय का पत्र मंत्रालय महानदी भवन स्थित सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा प्रदेश के सभी कलेक्टरों को जारी कर दिया गया है। पत्र में यह बात ध्यान में लाई गई है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों की शालाओं में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं के जाति प्रमाण पत्र एवं निवास प्रमाण पत्र समय पर प्राप्त किए जाने में कठिनाई हो रही है। जिसके कारण इन वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च कक्षा/शिक्षा एवं शासकीय सेवाओं में नियुक्ति के लिए आवेदन भरने एवं प्राप्त होने दिक्कत हो रही है। इस संबंध में प्रदेश के सभी शासकीय-निजी स्कूलों एवं केन्द्रीय बोर्ड की स्कूलों में कक्षा छठवीं से बाहरवीं तक अध्ययनरत अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने के लिए उनकी स्कूलों में अध्ययनरत होने के दौरान ही विशेष अभियान के तहत जाति निवास प्रमाण पत्र तैयार कर स्कूल में ही वितरीत करने को कहा गया है।

रोजगार कार्यालय रायपुर में 30 मई को प्लेसमेंट कैंप

रायपुर। जिला रोजगार कार्यालय रायपुर द्वारा 30 मई को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर रायपुर स्थित जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र-रायपुर, में यह प्लेसमेंट कैम्प आयोजित किया जा रहा है। जिला रोजगार विभाग रायपुर के उप संचालक ने बताया कि निजी क्षेत्र के नियोजकों एनआईबीएफ एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड, रोपेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विस (रैपिडो) प्राइवेट लिमिटेड, और करियर की पाठशाला रायपुर द्वारा कस्टमर रिलेशनशिप एक्सीक्यूटीव/ सेल्स ट्रेनी/रिज़नल कॉर्डीनेटर ऑफिसर/बाईक राईडर/कम्प्यूटर ऑपरेटर/टेली ऑपरेटर/ जूनियर अकाउन्टेंट/सीनियर अकाउन्टेंट के 299 से अधिक पदों के लिए न्यूनतम 7000 से 25000 रूपये मासिक वेतन पर बारहवीं/ स्नातक/ डिप्लोमा आदि उत्तीर्ण आवेदकों की भर्ती की जानी है। उन्होंने बताया कि अनुभवी, योग्य एवं इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि एवं स्थान पर पर उपस्थित होकर साक्षात्कार प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकते हैं। आवेदकों के आग्रह किया गया है कि सोशल डिस्टेंटिंग का पालन करते हुए प्लेसमेंट कैम्प में शामिल हों।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी विद्यालयों के लिए 31 मई को होगा वॉक इन इंटरव्यू

कोऑर्डिनेटर कम काउंसलर के पाँच पदों पर होगा चयन

रायपुर। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय योजना अंतर्गत रायपुर जिला के पं.आर.डी. तिवारी, बी.पी.पुजारी, शहीद स्मारक, माना कैम्प तथा नगर माता बिन्नी बाई सोनकर शासकीय अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय भाठागांव रायपुर में कोऑर्डिनेट कम काउंसलर के पद हेतु योग्यताधारी आवेदकों का चयन वॉक इन इंटरव्यू के माध्यम से शाला प्रबंधन एवं संचालन समिति द्वारा निर्धारित एक मुश्त मासिक मानदेय पर किया जाना है। 31 मई को शासकीय महिला पॉलीटेक्नीक कॉलेज बैरन बाजार रायपुर में सबेरे 9 बजे से 10.30 बजे तक पंजीयन, 10.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक दस्तावेजों का सत्यापन तथा 11 बजे से साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर ने बताया कि इंटरव्यू का विस्तृत विवरण https://raipur.gov.in पर देखा जा सकता है। कोऑर्डिनेटर कम काउंसलर के पद पर उक्त पाँचो स्कूल में एक-एक पदों के लिए अभ्यार्थियों का चयन किया जाएगा। आवेदक अपने शैक्षणिक एवं व्यवसायिक प्रमाण पत्रों के साथ उक्त साक्षात्कार स्थल में प्रात: 9 बजे अपनी उपस्थिति देकर पंजीयन करा सकते है। उन्होनें बताया कि पृथक से आवेदन नहीं लिए जाएंगे।

भेंट-मुलाकात अभियान

मितान क्लब के युवा आमजनता तक पहुंचा रहे शासकीय योजनाओं की जानकारीः मुख्यमंत्री बघेल

आमजनता में आएगी जागरूकता, योजनाओं का उठा सकेंगे लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बस्तर विधानसभा के ग्राम बकावंड में भेंट मुलाकात अभियान के दौरान राजीव युवा मितान क्लब के युवक राजेश से चर्चा के दौरान कहा कि राजीव युवा क्लब के युवाओं द्वारा योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने का काम सराहनीय है। इससे आम जनता में योजनाओं के प्रति जागरूकता आएगी और वे योजनाओं का लाभ उठाने में सक्षम हो सकेंगे।

राजीव युवा मितान क्लब के राकेश ने भेंट-मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री को बताया कि वे क्लब में युवाओं के लिए कई गतिविधियों का आयोजन करते है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा जो शासकीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर रहे है वह सरहानीय है। इससे वनांचल में रहने वाले लोग लाभान्वित होंगे।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना का सही समय पर मिल रहा है लाभ,अन्नदाताओं में है खुशी

भेंट-मुलाकात में मुख्यमंत्री से मिलने आये राजनगर के संतराम पाटले ने बताया कि वे राजीव गांधी किसान न्याय योजना के हितग्राही है। साथ ही प्रदेशभर के किसान इससे लाभान्वित है किंतु बड़ी बात यह है कि किसानों को जरूरत के समय यह राशि मिल रही है। उन्होंने कहा कि बीज खरीदने, खेत बनाने, बुआई और कटाई के समय सहयोग मिलने से किसानों में खुशी है। यह कहते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री का धन्यवाद दिया।

तीन लाख का बेचा गोबर, खरीद लिया मक्का मशीन

गोबर बेचकर किसी ने गहने खरीदे, किसी ने गाड़ी खरीदी तो कोई अपने बच्चों को अच्छे स्कूलों में पढ़ा रहा है। गोबर से आर्थिक संपन्नता आ रही है और लोग अपनी जरूरत पूरी कर पा रहे है। लोगों से मिलने मुख्यमंत्री जब बकावंड पहुंचे तब चर्चा के दौरान कृष्णा देवांगन ने बताया कि उन्होंने तीन लाख रुपए का गोबर बेचे है और इस पैसे से मक्का मिलिंग मशीन खरीदा है। मुख्यमंत्री ने पशुपालक कृष्णा देवांगन की सराहना की और अन्य लोगों को भी योजना का लाभ लेने को कहा।

भेंट मुलाकात कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका आश्रम की छात्रा तनुजा कश्यप ने मुख्यमंत्री को बकावंड में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने के लिए सभी बच्चों की ओर से धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने तनुजा से खूब पढ़ाई करने की बात कही और उनके उज्ज्वल भविष्य की भी कामना की ।

ज्ञातव्य है कि कस्तूरबा गांधी बालिका आश्रम में सुदूर वनांचल के ऐसे बालिकाओं को शिक्षा दी जाती है जिनके माता-पिता नहीं हैं, जो कमजोर वर्ग से हैं, शाला त्यागी और आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं । छात्राओं को यहां पर पढ़ाई के साथ आत्मरक्षा, सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, पाक कला, खेल कूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा सर्वांगीण विकास किया जाता है । उनकी भविष्य की आकांक्षाओं के अनुरूप उनका मार्गदर्शन कर उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है। यहां आश्रम में बच्चों को उनकी आवश्यकता के सभी सामान कपड़े, स्टेशनरी भी नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं।

लॉन टेनिस कोर्ट में मुख्यमंत्री ने लगाया सर्विस शॉट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जिला मुख्यालय जगदलपुर के इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम पहुँचे। वहां उन्होंने खिलाड़ियों के लिए बनाए गए खेल मैदान का उदघाटन किया। मुख्यमंत्री ने खेल मैदान की तारीफ की और कहा कि यह खेल मैदान बस्तर के खेल प्रतिभाओं को तराशने तथा उन्हें जरूरी सुविधा प्रदान कर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगा। उसके बाद उत्साहवर्धन करते हुए मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों के साथ लॉन टेनिस खेला। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सर्विस शॉट लगाए। मुख्यमंत्री टेनिस ग्राउंड में एनर्जेटिक दिखे और कहा मैदान में सभी खेल खेलकर जाऊंगा।

एक जिद और बदल गई हजारों महिलाओं की तकदीर

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में महिला सशक्तीकरण की मिसाल पेश कर रहा है 'भूमगादी' महिला किसान उत्पादक संघ

साढ़े चार करोड़ का सालाना टर्न ओवर, उत्पादों को सुरक्षित रखने बनाया 5 टन का कोल्ड स्टोरेज

ब्रांड नेम को मिला है आईएसओ का दर्जा, महिलाओं ने खुद खरीदा है पिकअप वाहन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर, ये नाम सुनते ही कुछ वर्ष पहले जेहन में सिर्फ एक ही बात आती थी, नक्सली घटनाएं। लेकिन बीते साढ़े तीन वर्षों में इस बस्तर में बहुत कुछ बदल गया है। यहां की फिजाओं में अब स्वावलंबन की बयार बह रही है। यहां की धरती वनोपज के रूप में सोना उगल रही है और इस सोने का मूल्य बस्तर की महिलाएं बखूबी समझने लगी हैं।

ऐसी ही कहानी है बस्तर ब्लाक के तारापुर गांव की रहने वाली द्रौपदी ठाकुर की। जिन्होंने बीते साढ़े तीन वर्षों में कर्जमाफी का लाभ उठाते हुए 6100 महिला किसानों को एक साथ लाकर खड़ा कर दिया और बना दिया 'भूमगादी' महिला किसान उत्पादक संघ। यहां भूम का अर्थ है जमीन और गादी का अर्थ है जमीन से निकलने वाला पदार्थ। भूमगादी एफपीओ को ये समझ आ गया था कि आदिवासियों के पास कृषि और वन उत्पाद तो हैं, लेकिन वो इन्हें बेचने में सक्षम नहीं हैं। आज बकावण्ड में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान द्रौपदी ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से अपने संघर्ष और सफलता का किस्सा साझा किया।

द्रौपदी ठाकुर ने बताया कि महिला किसानों को संगठित करने का जिम्मा उन्होंने उठाया और नजदीकी तीन जिलों के 9 विकासखंडों में 6100 महिला किसानों को एकजुट किया। ये महिला किसान अपने-अपने गांवों में जाकर कृषि एवं वन उत्पादों को समर्थन मूल्य पर खरीदते हैं। 'भूमगादी' संगठन किसानों से इमली, कोदो-कुटकी, हल्दी, मिर्ची समर्थन मूल्य पर खरीदता है। फिर वैल्यू एडिशन और पैकेजिंग कर जगदलपुर के हरियाली बाजार में ले जाकर बड़े व्यापारियों को बेचते हैं। इससे किसानों को उनके उपज की सही कीमत मिलती है और महिला किसानों को मुनाफे का लाभांश भी मिल जाता है।

द्रौपदी ठाकुर ने बताया कि महिला भूमगादी किसान उत्पादक संघ ने पिछले वर्ष में साढ़े चार करोड़ रूपए के प्रोडक्ट बाजार में बेचे हैं, जबकि बीते साढ़े तीन वर्षों में हमारा कुल टर्नओवर लगभग 10 करोड़ रूपए का हो चुका है। महिलाओं के इस किसान उत्पादक संघ के पास खुद का 5 टन का कोल्ड स्टोरेज है, जिसमें वो अपने उत्पादों को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकती हैं। भूमगादी महिला स्व-सहायता समूह के ब्रांडनेम 'हरियर बस्तर' को आईएसओ का दर्जा भी मिला हुआ है। द्रौपदी ठाकुर के साथ ही 6100 महिला किसानों की इस उपलब्धि को सुनकर मुख्यमंत्री ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार ने आदिवासी क्षेत्रों में आर्थिक सशक्तीकरण लाने के लिए लघु वनोपजों की संख्या 7 से बढ़ाकर 65 कर दी है। वनधन योजना की शुरू कर आदिवासी विकासखंडों में लघु वनोपजों के प्रसंस्करण केंद्रों की शुरूआत की। इसका फायदा ये हुआ कि घरों में रहने वाली आदिवासी महिलाओं को संबल मिला और वो घरों से निकलकर उद्यमी के रूप में खुद को स्थापित करने लगीं। बस्तर की उपजाऊ धरती में एक तरफ जहां ग्रामीण वनों को संरक्षित और सुरक्षित रखने की मुहिम चला रहे हैं वहीं महिला किसानों का उत्पादक संघ पूरे देश में महिलाओं के स्वावलंबन और आर्थिक सशक्तीकरण का बड़ा उदाहरण पेश कर रहा है।

मां ने कहा था-बेटी को पढ़ाना, उसका ख्याल रखना...

बेटी को पढ़ा रहे पिता की कोशिश को मिला शासन का साथ

रायपुर। कैंसर से लड़ रही एक मां ने अंतिम दिनों में पति से कहा था कुंती को पढ़ाना, उसका ख्याल रखना। अपनी बेटी को पढ़ाने की मां की अंतिम इच्छा पूरी हो रही है और पिता अपनी बेटी को पढ़ा रहे है। पिता की इस कोशिश में शासन का भी पूरा साथ मिला है। शहीद महेंद्र कर्मा तेंदूपत्ता सामाजिक सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत परिवार को दो लाख रुपये मिले और इस पैसे ने कठिन समय में परिवार को सहारा दिया। योजना से मिले कुछ पैसे कुंती के पिता नोहरु ने उसकी पढ़ाई के लिए बचा के रखे है और कुछ पैसों से उधार चुकाया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बकावंड में भेंट-मुलाकात के दौरान नोहरु पटेल ने तेंदूपत्ता संग्रहको के लिए चलाई जा रही इस योजना के लिए धन्यवाद दिया। दरअसल राजनगर के रहने वाले नोहरू पटेल की पत्नी की एक साल पहले स्तन कैंसर से मृत्यु हुई थी। नोहरु की पत्नी ने मरने से पहले उससे कहा था कि वह अपनी बेटी कुंती का ख्याल रखे और उसे पढ़ाए।

खेती-बाड़ी और वनोपज संग्रहण कर जीवनयापन करने वाले नोहरु के लिए पत्नी का असमय जाना बड़ा संकट था। इस मुश्किल समय में नोहरु को सहारा मिला तेंदूपत्ता संग्रहको के लिए चलाई जा रही शहीद महेंद्र कर्मा तेंदूपत्ता सामाजिक सुरक्षा बीमा योजना का। योजना से नोहरु को दो लाख मिले और इससे वह अपने दिवंगत पत्नी की अंतिम इच्छा पूरी कर पा रहे है।

वनांचल में रहने वाले नोहरू जैसे लाखों लोग आजीविका के लिए तेंदू पत्ता संग्रहण का काम करते है। इसी हरे सोने के संग्राहकों के लिए शासन कई योजनाएं संचलित कर रही है। ऐसी ही एक योजना है शहीद महेंद्र कर्मा तेंदूपत्ता सामाजिक सुरक्षा बीमा योजना, जिसके अंतर्गत तेंदूपत्ता मुखिया की सामान्य मृत्यु में 2 लाख और दुर्घटना के कारण मृत्यु से 4 लाख रूपये प्रदाय किया जाता है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

सेहतमंद रहना है, तो सोचिए नहीं आज से ही बदल लीजिए लाइफस्टाइल...

अगर आप देश की राजधानी दिल्ली में रहते हैं, तो यकीनन रोज आप यहां के प्रदूषण से परेशान होकर सोचते होंगे कि आप कल से ही जिम ज्वॉइन करेंगे या शहर ही बदल लेंगे... देश की राजधानी दिल्ली में 99 फीसदी महिलाओं और 89 फीसदी पुरुषों के लिए प्रियोरिटी उनकी हेल्थ है. और उन्हें ऐसा महसूस होता है कि हेल्दी रहने के लिए लाइफस्टाइल में बदलाव की जरूरत है. वहीं, सुरक्षात्मक स्वास्थ्य प्रदाता प्रतिष्ठान हेल्दी की रिपोर्ट हेल्दी इंसाइट्स इंडिया 2017 की रिपोर्ट में एक अहम बात सामने आई है. इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत की कुल आबादी के करीब 28 फीसदी लोगों को इलाज की जरूरत है, फिर भी वे टाइम पर डॉक्टर से नहीं मिलते.

सेहत की शुरुआत

इस रिपोर्ट में अक्टूबर, 2015 से मार्च, 2017 तक 18 महीने के दौरान 10 लाख स्वास्थ्य परीक्षणों के आंकड़े हैं, सेहत का इतिहास है और जीवनशैली का विश्लेषण भी. रिपोर्ट में कहा गया है कि सेहतमंद होने की शुरुआत हमारी सोच से होती है. 91 फीसदी लोगों का विश्लेषण करने से पता चला कि वे अच्छी सेहत पाने के लिए जीवनशैली में जरूरी बदलाव लाने के रास्ते पर हैं.

क्या है दिल्ली का हाल

इस रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि देश की राजधानी दिल्ली में 18 फीसदी महिलाएं और 34 फीसदी पुरुष उच्च रक्तचाप पीड़ित हैं या इसका जोखिम है, जबकि 14 फीसदी महिलाएं और 32 फीसदी पुरुष उच्च कोलेस्ट्रोल की समस्या से ग्रसित हैं. राजधानी में सभी आयु वर्ग के लोगों में वजन की समस्या, अपर्याप्त शारीरिक श्रम, धूम्रपान, तनाव, चिंता और अवसाद आदि जीवनशैली की प्रमुख समस्याएं हैं.

काम का असर

- खुदरा व्यापार क्षेत्र में कार्यरत लोगों में मोटापे की समस्या सबसे अधिक पाई गई, जिनमें 71 फीसदी महिलाएं और 83 फीसदी पुरुष शामिल हैं. उच्च रक्तचाप एक अन्य बड़ी समस्या है, जो कामकाजी लोगों से जुड़ी है. यह दोषपूर्ण भोजन, तनाव, मोटापा, निरंतर बैठे रहने, धूम्रपान और मदिरा सेवन आदि से बढ़ती है.

रिपोर्ट के अनुसार, बीएफएसआई सेक्टर में 15 फीसदी महिलाएं व 29 फीसदी पुरुष, सूचना प्रौद्योगिकी व इस पर निर्भर सेवाओं के क्षेत्र में 24 फीसदी महिलाएं व 42 फीसदी पुरुष, निर्माण क्षेत्र की 12 फीसदी महिलाएं और 22 फीसदी पुरुष, खुदरा क्षेत्र में 24 फीसदी महिलाएं व 39 फीसदी पुरुष और गैर सूचना प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र की 11 फीसदी महिलाएं व 27 फीसदी पुरुष में उच्च कोलेस्ट्रोल से पीड़ित पाए गए. ये लोग कभी भी मधुमेह व उच्च रक्तचाप की चपेट में आ सकते हैं.

सेहत का क्या...

- बताया गया है कि 26 फीसदी से अधिक महिलाएं रक्त की कमी, 88 फीसदी महिलाएं विटामिन डी की कमी और 12 फीसदी से अधिक महिलाएं असामान्य टीएसएच लेवल से पीड़ित हैं.
- अध्ययन में यह भी पाया गया कि देश की 20 फीसदी आबादी बैठे रहने वाला जीवन जी रही है, जिससे इन्हें रक्त नलिकाओं व हृदय रोगों का खतरा सामान्य से दोगुना अधिक है.
- अध्ययन में जिन शहरों को शामिल किया गया, उनमें दिल्ली व एनसीआर के अलावा बेंगलुरू, चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई और पुणे शामिल हैं.

एनर्जेटिक रहना है तो कैफीन छोड़िए और डालिए सीढ़ियां चढ़ने की आदत

रोजाना 10 मिनट सीढ़ियां चढ़ने से आप अपने भीतर अधिक ताजगी महसूस करेंगे. यह 50 मिलीग्राम कैफीन या सोडा की एक कैन के बराबर ऊर्जा देता है. अमेरिका के जार्जिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर व शोध के सह लेखक पैट्रिक जे. ओ कोनोर ने कहा, हमने पाया कि कैफीन और सीढ़ियों पर चहलकदमी करने की दोनों स्थितियों में उन्हें कैसा महसूस हुआ, इसमें ज्यादा अंतर नहीं था.

ओ कोनोर ने कहा, वह व्यायाम के साथ ज्यादा ऊर्जावान और फुर्तीला महसूस करते हैं. लेकिन 50 मिलीग्राम कैफीन से उन पर ज्यादा प्रभाव नहीं दिखाई दिया.

इस शोध का प्रकाशन पत्रिका साइकोलॉजी एंड बिहेवियर में हुआ है. इसका मकसद कार्यालय के माहौल में दिक्कतों को दूर करना है, जहां

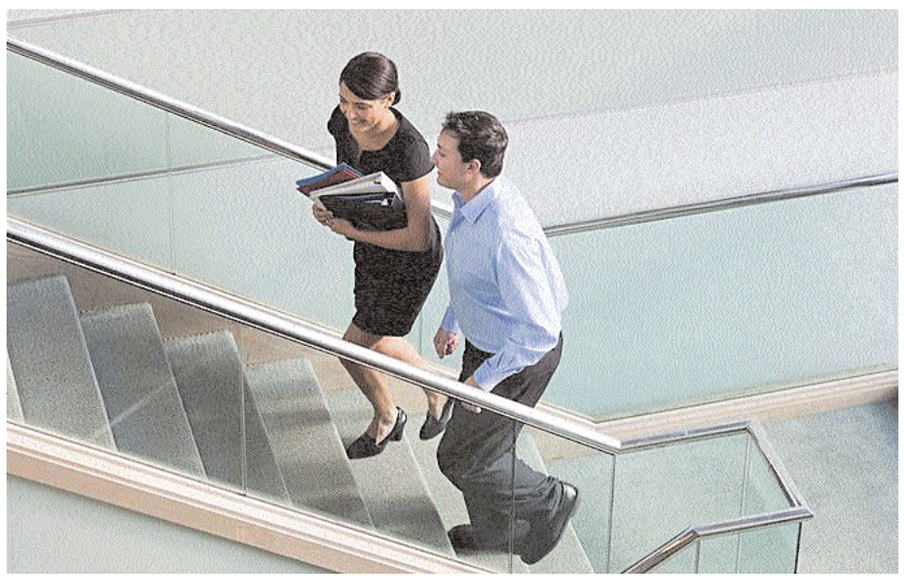

कार्यालय में लोग घंटों, कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बैठकर अपना समय व्यतीत करते हैं और लोगों के पास व्यायाम करने के लिए ज्यादा समय नहीं है.

इस शोध के लिए प्रतिभागियों को अलग-अलग रोज कैफीन के कैप्सूल या 10 मिनट सीढ़ियों पर चहलकदमी करने का मौका दिया गया.

ओकोनोर ने कहा कि इस व्यायाम को लोग कार्यालय में आसानी से कर सकते हैं. सीढ़िया आसानी से उन्हें मिल सकती हैं और वे थोड़ा समय इस पर दे सकते हैं और अपनी फिटनेस बनाए रख सकते हैं.

साइकिलिंग करते वक्त नरगिस का हुआ एक्सीडेंट सेलेब्स से लेकर फैंस तक ने किया रिएक्ट

नरगिस फाखरी ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर की है। नरगिस साइकिलिंग करते वक्त वीडियो के लिए पीछे मुड़कर देखती हैं, जिसकी वजह से वो आगे जाकर साइकिल से गिर जाती हैं। हालांकि एक्ट्रेस उठकर वीडियो के लिए पोज देते हुए स्माइल करती हैं। नरगिस ने फोटोज शेयर कर कैप्शन में लिखा, जब आप गिरें तो स्माइल और स्टाइल के साथ। पर याद रखें कि हमेशा खुद को उठाकर चलते रहना है।

फैंस से लेकर सेलेब्स तक सब नरगिस की इस पोस्ट पर रिएक्ट कर रहे हैं। गुरु रंधावा ने कमेंट कर पूछा, 'क्या आप ठीक हैं?' वहीं एक फैन ने लिखा, 'अच्छा है आप ठीक हैं।' एक दूसरे ने लिखा, 'आपका एक्सीडेंट भी स्टाइल में हुआ।' बता दें, नरगिस ने हाल ही में कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू किया है। रेड कार्पेट के लिए एक्ट्रेस ने पिंक बीज ड्रेस पहनी थी।

पृथ्वीराजः फिल्म में मानुषी से 28 साल बड़े हैं अक्षय, इन कम उम्र की एक्ट्रेसेस के साथ भी कर चुके हैं मूवीज

54 साल के अक्षय इन दिनों अपनी अपकमिंग मूवी पृथ्वीराज को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में इनके साथ मानुषी छिल्लर नजर आ रही हैं। 25 साल की मानुषी ने इस फिल्म से एक्टिंग डेब्यू किया है। इस फिल्म में दोनों के उम्र में 28 साल का अंतर है।

ऐसा पहली बार नहीं है कि किसी फिल्म में अक्षय अपने से कम उम्र की एक्ट्रेस के साथ नजर आए हैं। इससे पहले कई फिल्मों में यह कम उम्र की एक्ट्रेसेस के साथ नजर आ चुके हैं। तो चलिए डालते हैं नजर उन फिल्मों पर, जिनमें अक्षय ने कम उम्र की एक्ट्रेसेस के साथ काम किया है-

अतरंगी रे

इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ सारा अली खान नजर आई थीं। इस फिल्म के दौरान अक्षय कुमार 54 के थे और सारा अली 26 साल की थीं।

पटियाला हाउस

इस फिल्म के दौरान अक्षय कुमार 44 साल के थे और अनुष्का शर्मा 23 साल की थीं। इन दोनों के बीच करीब 21 साल अंतर था।

राउडी राठौर

इस फिल्म में अक्षय डबल रोल में नजर आए थे। इस फिल्म में इनके साथ सोनाक्षी सिन्हा भी लीड रोल में नजर आई थीं। उस समय सोनाक्षी 25 साल की थीं और अक्षय से यह 20 साल छोटी थीं।

सिंह इज ब्लिंग

इस फिल्म में अक्षय कुमार की को-स्टार एमी जैक्सन फिल्म रिलीज होने के समय केवल 23 साल की थीं। दूसरी ओर, अक्षय कुमार उस समय 48 के थे और यह एमी से 25 साल बड़े थे।

टॉयलेट एक प्रेम कथा

सोशल मैसेज पर बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ भूमि पेडनेकर नजर आई थीं। जिस समय यह फिल्म बनी थी, उस वक्त अक्षय 50 साल के थे और भूमि 28 साल की थीं।

पैड मैन

इस फिल्म में 50 साल के अक्षय कुमार के साथ सोनम कपूर और राधिका आप्टे नजर आई थीं। फिल्म मेकिंग के दोनों एक्ट्रेसेस 33 साल की थी।

केसरी

परिणीति चोपड़ा इस फिल्म में अक्षय कुमार की को-स्टार थीं और दोनों के बीच उम्र का अंतर 21 साल का था। जब फिल्म रिलीज हुई तब अक्षय 52 साल के थे और परिणीति 31 साल की थीं।

लक्ष्मी

हॉरर जोनर पर बनीं इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ कियारा आडवानी नजर आईं थीं। इस फिल्म के मेकिंग के दौरान अक्षय 53 साल के थे और कियारा 28 साल की थीं।

21 साल की बंगाली एक्ट्रेस बिदिशा डे मजूमदार ने की आत्महत्या

पॉपुलर बंगाली टीवी एक्ट्रेस बिदिशा डे मजूमदार ने सुसाइड कर लिया है। बुधवार की शाम को दमदम के नागरबाजार में 21 साल की मॉडल बिदिशा के शव को उनके रेंटेड अपार्टमेंट में फंदे से लटका पाया गया। डेढ़ महीने पहले ही बिदिशा इस फ्लैट में शिफ्ट हुई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बिदिशा के अपार्टमेंट से पुलिस ने एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है।

बिदिशा की फैमिली और उनके फ्रेंड्स ने बताया है कि उनके रिलेशनशिप में कोई परेशानी चल रही थी, जिस वजह से उन्होंने यह कदम उठाया। उभरती मॉडल और एक्ट्रेस की आत्महत्या की खबर से बंगाली इंडस्ट्री में हर किसी को हैरान कर दिया है।

पुलिस को फ्लैट से मिला से सुसाइड नोट

एक्ट्रेस के करीबी दोस्तों में से एक ने बिदिशा के साथ कुछ गलत होने का संदेह होने पर स्थानीय पुलिस को फोन किया था। उनके फोन करने के बाद पुलिस अपार्टमेंट में पहुंची और एक्ट्रेस को फांसी पर लटका हुआ पाया, इसके बाद उन्हें फ्लैट का दरवाजा तोड़ना पड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है और इसमें बिदिशा ने कथित तौर पर अपनी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है।

बिदिशा के माता-पिता ने दर्ज कराई शिकायत

बिदिशा के माता-पिता ने पहले ही नागरबाजार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करा दी है और अब यह एक अप्राकृतिक मौत का मामला है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जिसके आज आने की उम्मीद है। एक्ट्रेस के करीबी दोस्तों के मुताबिक, बिदिशा ने 2019 में फ्रीलांस मॉडलिंग शुरू की और तब से ही वे नागरबाजार अपार्टमेंट में अकेली रहती थीं। हालांकि, कुछ लोग कह रहे हैं कि वह काफी समय से उदास थीं और कथित तौर पर उसने अपने दोस्तों से कहा था कि अगर कुछ नहीं बदला तो वह अपना जीवन समाप्त कर लेंगी।

बॉयफ्रेंड से बिगड़ते रिश्ते के कारण परेशान थीं एक्ट्रेस

बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस एक जिम ट्रेनर के साथ रिलेशनशिप में थीं। दोनों के रिश्ते में कुछ ठीक नहीं चल रहा था, जिस वजह से बिदिशा काफी परेशान थीं। बिदिशा का बॉयफ्रेंड उनके साथ रिलेशन में होने के बाद भी कई लड़कियों को डेट कर रहा था। इस वजह से दोनों के रिश्ते में दरार आ गई थी। बिदिशा के एक करीबी दोस्त ने इस बारे में बताया कि एक्ट्रेस ने अपने बिगड़ते रिलेशन के बारे में उनसे बात भी की थी। हालांकि, बिदिशा को अपनी प्रोफेशनल लाइफ में कोई दिक्कत नहीं थी। क्योंकि उन्हें लगातार काम मिल रहा था। लेकिन, वे अपने रिलेशनशिप के कारण परेशान चल रही थीं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

कचरा एकत्रित करने की व्यवस्था का अब ऑनलाइन मॉनिटरिंग होगी

जगदलपुर। निगम क्षेत्र के वार्डों से डोर टू डोर कचरा एकत्रित करने की व्यवस्था का अब ऑनलाइन मॉनिटरिंग हो रही है। इसके लिए शहर के वृंदावन कॉलोनी के 50 घरों में जीपीएस चिप लगाये गए हैं। नगर निगम के स्वास्थ्य निरीक्षक और इस प्रोजेक्टके प्रभारी अजय बनिक बताते हैं कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत अभी 50 घरों से शुरुआत हुई है। वृंदावन कॉलोनी के घरों को सर्विस क्लास, बिजनेस क्लास और लोवर क्लास में बांटकर चिप लगाए गए हैं। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत का मुख्य उद्देश्य लोगों की उस शिकायत को दूर करना है, जिसमें कहा जाता है किउनके घरों से कचरा समय पर नही उठाया जाता है। अजय बनिक ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत लोगों के घर के बाहर एक चिप लगाया जा रहा है, जिसमें जीपीएस सेंसर लगा हुआ है। उन्होंने बताया कि जैसे ही डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की गाड़ी चिप वाले घर के बाहर पहुंचती है, उसका इन और आउट टाइम गाड़ी में लगी मशीन में दर्ज हो जाता है। जब तक गाड़ी घर से कचरा लेती है तब तक का पूरा समय गाड़ी में लगी मशीन में रिकॉर्ड होता है। हर वार्ड की एक गली की शुरुआत में, अंत में और मध्य के घर में चिप लगाई गई है। ताकी पूरी गली का रिकॉर्ड प्रमाणित हो सके। जिन घरों से कचरा नहीं उठेगा उसकी ऑनलाइन जानकारी सर्वर में दर्ज हो जायेगी, जिसके घर से कचरा नही उठाया जायेगा वहां रिकार्ड दर्ज नही होगा।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम स्वास्थ्य कैंप का आयोजन एक जून को

नारायणपुर। जिला चिकित्सालय नारायणपुर में शून्य से 18 वर्ष के बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम स्वास्थ्य कैंप का आयोजन 1 जून 2022 को किया जा रहा है। इस स्वास्थ्य कैंप मरीजों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु सत्य सांई हॉस्पिटल से कार्डियोलाजिस्ट एवं बालाजी हॉस्पिटल से न्यूरोलाजिस्ट एवं जिला चिकित्सालय नारायणपुर से आर्थोपेडिक्स, नेत्र विशेषज्ञ, एमडी मेडिसीन, नाक, कान, गला विशेषज्ञ, डेन्टिस्ट, एवं फिजियोथेरेपिस्ट विषेषज्ञों के द्वारा जांच किया जायेगा।

किशोरियों को स्वच्छता और सेनेटरी नैपकिन के उपयोग के बारे में किया जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में प्रत्येक बुधवार को किशोरी स्वास्थ्य दिवस का आयोजन कर किशोरियों को पोषण, माहवारी स्वच्छता और सेनेटरी नैपकिन के उपयोग के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

विभिन्न नगरों में स्थित प्रदेश के 45 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और चार शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रशिक्षित चिकित्सा अधिकारियों, स्टॉफ नर्स तथा आरएमएनसीएच कन्सल्टेंट द्वारा दस वर्ष से 19 वर्ष की बालिकाओं को हर बुधवार को विशेष सत्र का आयोजन कर किशोरी स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी और परामर्श प्रदान किया जा रहा है। अगस्त-2020 में शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में किशोरी स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरूआत की गई थी। इन केंद्रों में अब तक 12 हजार से अधिक किशोरियों को जागरूक और शिक्षित किया जा चुका है।

संयुक्त संचालक, राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन डॉ. सुरेन्द्र पामभोई ने बताया की किशोरी स्वास्थ्य दिवस पर 10 से 19 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को मितानिनों एवं एएनएम द्वारा चिन्हांकित कर शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में लाया जाता है। इन केंद्रों में उन्हें माहवारी स्वच्छता, सेनेटरी नैपकिन के उपयोग और इससे जुड़े मिथकों के साथ ही शरीर में खून की कमी, आयरन की खुराक के महत्व, संतुलित आहार, सूक्ष्म पोषक तत्व, कुपोषण एवं उसके प्रभाव की जानकारी दी जाती है। परामर्श सत्र के दौरान रक्ताल्पता (एनीमिया) का परीक्षण एवं स्वास्थ्य की जांचकर आवश्यकतानुसार दवाईयां भी प्रदान की जाती है।

डॉ. पामभोई ने बताया कि किशोरी स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से रायपुर जिले के बीरगांव शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों खोखोपारा, भांठागाँव, मठपुरैना, बोरियाकला, भनपुरी, राजातालाब, लाभांडी, मोवा, कांशीराम नगर, कचना, चंगोराभांठा, रामनगर, आमा सिवनी, हीरापुर, देवपुरी, बीरगांव और गोगांव में 5752 बालिकाओं को किशोरी स्वास्थ्य के संबंध में शिक्षा व परामर्श प्रदान किया गया है।

बिलासपुर जिले में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों राजकिशोर नगर, बंधवापारा और गांधी चौक में कुल 210, दुर्ग जिले के धमधा नाका, पोटिया कला, बघेरा, बैकुंठधाम, खुर्सीपार, टंकी मरोदा, कोसानगर, छावनी और चरोदा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में कुल 2296, कोरबा जिले के गोपालपुर, कटाईनगर व ढोढ़ीपारा में कुल 1035 तथा राजनांदगांव जिले के शंकरपुर, मोतीपुर व लखोली में कुल 477 किशोरियों को शिक्षित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने जगदलपुर आदिवासी सम्मेलन में कई घोषणाएं की

राष्ट्रीय आदिवासी महोत्सव की तर्ज पर बस्तर में प्रति वर्ष आयोजित होगा राष्ट्रीय आदिवासी संगीत महोत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज जगदलपुर में आयोजित आदिवासी सम्मेलन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं जनसमुदाय की आकांक्षा के मद्देनजर बस्तर के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने भतरा समाज को भवन निर्माण के लिए 4 एकड़ जमीन और एक करोड़ रूपए की स्वीकृति दी। मुख्यमंत्री ने बादल को खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय के अधीन महाविद्यालय का दर्जा दिए जाने, आदिवासी छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए ज्ञानगुड़ी में 150 सीटर हॉस्टल निर्माण के लिए 10 करोड़ 42 लाख रूपए की स्वीकृति देने के साथ ही बादल में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन के लिए 25 लाख रूपए की राशि को बढाकर एक करोड़ रूपए किए जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर राष्ट्रीय आदिवासी महोत्सव के तर्ज पर बस्तर में प्रति वर्ष राष्ट्रीय आदिवासी संगीत महोत्सव के आयोजन की भी घोषणा की। उन्होंने आमचो बस्तर हेरिटेज सोसाइटी के सलाहकार समिति विभिन्न आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों को भागीदारी दी जाएगी और उनकी सोसाइटी को शासन द्वारा मान्यता देने, बस्तर संभाग के सभी जिलों के आदिवासी शिल्पकारों, कास्तकारों और कलाकारों को बादल से जोड़े जाने की बात कही। उन्होंने आदिवासी कला संस्कृति एवं परम्पराओं पर शोध करने हेतु बस्तर विश्वविद्यालय के अधीन शोध केंद्र स्थापित करने तथा सिरहा भवन में शहीद वीर झारा-सिरहा की आदमकद प्रतिमा स्थापित किए जाने का ऐलान किया।

मुख्यमंत्री ने आदिवासी सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार विश्वास, विकास और सुरक्षा के तीन सूत्रों को लेकर लगातार आगे बढ़ रही है। हमने लोहंडीगुड़ा में किसानों की अधिग्रहित जमीन की वापसी की। वनांचल के लोगों की आर्थिक बेहतरी के लिए 65 प्रकार के लघु वनोपजों की समर्थन मूल्य पर खरीदी के साथ-साथ वैल्यू एडिशन का काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि किसानों के ऋण माफी की, सर्वाधिक मूल्य पर धान खरीदी के साथ-साथ मिनी पीएससी के जरिये स्थानीय युवाओं को रोजगार दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ में पेसा कानून पहले से लागू है, आगामी कैबिनेट में पेसा कानून के नियम पारित करेंगे। राज्य के सभी समाज व वर्ग के लोगों को आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर होने का अवसर मिले यह हमारी सरकार की प्राथमिकता है और हम इसके लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी कोशिश है कि सभी समाजों के पास अपने सामाजिक भवन हों, जिन समाजों के पास अभी तक भवन नहीं हैं, उन्हें भी जमीन और भवन दिए जाएंगे। हम बस्तर के बच्चों के भविष्य को संवारेंगे। दूरस्थ अंचल के बच्चे भी अंग्रेजी में पढ़ें और कलेक्टर, डॉक्टर, इंजीनियर, बनें। हमारी सरकार बस्तर की संस्कृति और परंपराओं को सहेजने का कार्य कर रही है। ऐसी कोई ग्राम पंचायत नहीं है जहां देवगुड़ी का निर्माण या निर्माण की घोषणा न हुई हो। बस्तर की पहचान को संरक्षित करने बादल की स्थापना की गई है। यहां की लोक कला, गीत, नृत्य को लिपिबद्ध और डिजिटाइज़ किया जा रहा है। ताकि आनेवाली पीढ़ी अपनी संस्कृति न भूले। हमारी कोशिश है कि लोग आर्थिक रूप से मजबूत हों, बच्चे सुपोषित और स्वस्थ हों। इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री कवासी लखमा, सांसद दीपक बैज, संसदीय सचिव रेखचन्द जैन, बस्तर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष लखेश्वर बघेल, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग उपस्थित थे।

धन्वंतरि जेनेरिक मेडिकल स्टॉल में मिल रही सस्ती दवाइयां

विकास प्रदर्शनी में दिखी राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विकास प्रदर्शनी में दिखी राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगतिजनसंपर्क विभाग द्वारा राजधानी रायपुर के साईंस कॉलेज मैदान स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं की उपलब्धियों और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। विकास प्रदर्शनी में जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्धियों को आकर्षक ढंग से फोटो और वीडियो के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में राजीव गांधी किसान न्याय योजना, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, दाई दीदी क्लीनिक, राम वन गमन परिपथ, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, गोधन न्याय योजना सहित राज्य सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं की जानकारी फेटो-वीडियो के माध्यम से दी जा रही है।

योजनाओं की जानकारी फेटो-वीडियो के माध्यम से दी जा रही है। आज गरियाबंद जिले के विभिन्न विकासखंडों से पंचायत एवं नगरी निकाय के जनप्रतिनिधियों सहित अन्य नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसकी सराहना की। प्रदर्शनी देखने आए ग्रामीणों ने धन्वंतरि जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना की सराहना करते हुए कहा कि इसके माध्यम से अच्छी गुणवत्ता की सस्ती दवाएं उपलब्ध हो रही है। यह योजना पंचायत स्तर पर भी लागू होना चाहिए। जिससे लोगों को महंगाई के समय में अच्छी गुणवत्ता की सस्ती दवाइयों का लाभ मिल सकेगा।

उल्लेखनीय है कि राज्य के अलग-अलग शहरों में 194 धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स खोलने का लक्ष्य है, इनमें से 159

उल्लेखनीय है कि राज्य के अलग-अलग शहरों में 194 धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स खोलने का लक्ष्य है, इनमें से 159 दुकानों का संचालन वर्तमान में किया जा रहा है। योजना से अब तक कुल 17 लाख 92 हजार ग्राहकों को लाभ मिला है। इससे दवा खरीदने वाले ग्राहकों को कुल 17 करोड़ 38 लाख रूपए की बचत हुई है।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गरीब से गरीब व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के अंतर्गत 20 अक्टूबर 2021 से धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना शुरू की गई है। धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स में अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से 50 प्रतिशत से 72 प्रतिशत कम कीमत पर लोगों को दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन मेडिकल स्टोर्स में 251 प्रकार की जेनेरिक दवाईयां तथा 27 सर्जिकल उत्पाद की बिक्री अनिवार्य है। इसके अलावा वन विभाग के संजीवनी के उत्पाद, सौंदर्य प्रसाधन उत्पाद और शिशु आहार आदि का भी विक्रय इन मेडिकल स्टोरों में किया जा रहा है।

तेंदूपत्ता संग्रहण से 55 हजार संग्राहक परिवार के घर होगी 31 करोड़ 39 लाख रूपए की धनलक्ष्मी वर्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

'बीते वर्ष की तुलना में इस बार बम्पर तेंदूपत्ता संग्रहण'

'वनमण्डल बैकुंठपुर में अब तक संग्राहकों द्वारा 33553 एवं वनमण्डल मनेन्द्रगढ़ 44931 मानक बोरा तेंदूपत्ता का हुआ संग्रहण'

कोरिया । वनोपज संग्रहण में जुटे कोरिया जिले के 55 हजार से ज्यादा संग्राहक परिवारों के घर इस बार धन लक्ष्मी की वर्षा होगी। वनोपज से जुड़े जिले के 55 हजार से ज्यादा परिवार तेन्दूपत्ता की तोड़ाई काम में जुट गए है। पूरे प्रदेश में हरे सोने यानी तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य जारी है। राज्य में तेंदूपत्ता सीजन 2022 के अंतर्गत अब तक 11 लाख 44 हजार 641 संग्राहकों द्वारा 15 लाख 49 हजार 943 मानक बोरा संग्रहण किया गया है।

जिले के वनमण्डल बैकुंठपुर के 17 प्राथमिक वनोपज समितियों के द्वारा लक्ष्य से अधिक कुल 100.46 प्रतिशत का संग्रहण किया गया है, जिसमें 33 हजार 400 के लक्ष्य के विरुद्ध संग्राहकों द्वारा 13 करोड़ 42 लाख 13 हजार 100 रुपए के 33 हजार 553 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है। इसी तरह वनमण्डल मनेंद्रगढ़ में 15 प्राथमिक वनोपज समितियों के द्वारा अब तक 30 हजार 504 संग्राहकों द्वारा 17.97 करोड़ रूपए के 44 हजार 931 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा राज्य के तेन्दूपत्ता संग्राहकों के आमदानी को बढ़ाने और उन्हे आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए 25 सौ रूपए प्रतिमानक बोरा से बढ़ाकर 4 हजार रूपए प्रति मानक बोरा दर निर्धारित किया है। वनमंडल बैकुंठपुर के अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रहण वर्ष 2022 में संग्रहण लक्ष्य 33400 मानक बोरा निर्धारित किया गया है। जिसके विरुद्ध अब तक 33553 मानक बोरा कुल संग्रहित किया गया है। जिसकी एवज में 13.42 करोड़ भुगतान किया जाना है। जबकि बीते साल 20996 मानक बोरा संग्रहण किया गया जिसके एवज में 8.39 करोड़ रुपए संग्राहकों को भुगतान किया गया है। इसी तरह वनमण्डल मनेंद्रगढ़ में 15 प्राथमिक वनोपज समितियों के द्वारा अब तक 30 हजार 504 संग्राहकों द्वारा 17.97 करोड़ रूपए के 44 हजार 931 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहित किया गया है।जबकि मनेन्द्रगढ़ में बीते वर्ष 32003 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण किया गया जिसके एवज में 12.80 करोड़ रुपये संग्राहकों को भुगतान किया गया है।

विकास प्रदर्शनी देखने उमड़ रहे लोग :

गरियाबंद जिले के लोगों ने प्रदर्शनी को सराहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में स्थित डीडीयू ऑडिटोरियम में चल रही विकास प्रदर्शनी को देखने भारी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। जनसंपर्क विभाग द्वारा अयोजित इस विकास प्रदर्शनी में छायाचित्र एवं एलईडी के माध्यम से कुपोषण के खिलाफचलाए जा रहे अभियान, स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम स्कूल की सफलता सहित विभिन्न जनहितैषी योजनाओं को आकर्षक तरीके से प्रदर्शित किया गया है।

प्रदर्शनी के छठवें दिन आज गुरुवार को गरियाबंद जिले के पंचायत प्रतिनिधि, ग्रामीण सहित हर आयु वर्ग के लोगों ने देखा और सराहना की। ग्राम पंचायत मालगांव के पंच श्री उधोराम ध्रुव एवं श्रीमती झामीन ध्रुव ने बताया की राज्य सरकार 65 प्रकार की वनोपज की समर्थन मूल्य पर खरीदी कर रही है। इससे वनवासियों, वनोपज संग्रहणकर्ताओं की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है। उन्होंने सुराजी गांव एवं गोधन न्याय योजना के मदद से गांवों में हुए सुखद बदलावों के बारे में भी बताया। प्रदर्शनी देखने पहुंचे हरे कृष्णा मंदिर रायपुर के भगवत गीता के शिक्षाओं के प्रचारक श्री अभय प्रहलाद दास एवं वरुण कृष्ण दास ने कहा की राज्य सरकार भगवान राम की विरासत को सहेज कर पुण्य का काम कर रही है। निर्माण व कौशल्या माता मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए सरकार को धन्यवाद दिया और कहा की छत्तीसगढ़ सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना से भावी पीढ़ी को मर्यादा पुरुषोत्तम राम के आदर्शों और छत्तीसगढ़ी संस्कृति में भगवान राम की महिमा से परिचित होने का अवसर मिलेगा।

अरिहंत इंटेरियर्स
वॉलपेपर, वुडन फ्लोरिंग, पीवीसी फ्लोरिंग विंडोव ब्लाइंड्स, एक्रीलिक रेलिंग, आर्टिफिसियल ग्रास, पीवीसी पैनल, ग्लास फिल्म
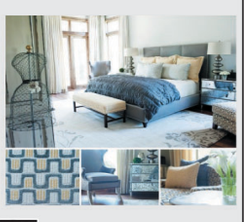
शॉप नं.-23, नेहरू रोड, सुपेला, भिलाई, 9584400900

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

GREEN COMPUTER
Sales, Services, Repairs
Laptop Repairing
Printer
Desktop
7/2, Dakshin Gangotri,
Supela, Bhilai
0788-4083385

Y Fitness
start 17500/-
Bajaj Finance Available
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7
Dakshin gangotri, Supela, Bhilai
Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI,
Oppo, Vivo, Nokia, HTC,
Blue tooth Charger,
Power Bank, Ear Phone,
BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट,
फ्राक, फैंसी सलवार सूट
एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स,
गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh
Jewellers,
Akash Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

सो रहे छोटे भाई की फरसे से काट दी गर्दनःसंपत्ति को लेकर दोनों भाइयों में होता था विवाद; आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा (ए)। जांगजीर-चांपा में बुधवार देर रात एक युवक ने अपने छोटे भाई की गर्दन काटकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के दौरान छोटा भाई आंगन में सो रहा था। तभी बड़े भाई ने फरसे से वार कर दिया। दोनों के बीच संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। सूचना मिलने पर गुरुवार को पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला जैजैपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, तुषा गांव निवासी छोटे लाल गोंड़ (23) और उसके बड़े भाई नंदू गोंड़ (28) के बीच संपत्ति को लेकर अक्सर विवाद होता रहता था। बताया जा रहा है कि बुधवार रात को छोटे लाल गोंड़ घर के आंगन में चारपाई पर सोया हुआ था। तभी देर रात नंदू पहुंचा और फरसे से छोटे लाल के गर्दन पर वार कर दिया। गर्दन पर वार करते ही छोटे लाल का सिर कटकर लटक गया। स्थानीय लोगों को अगले दिन सुबह वारदात का पता चला तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी बड़े भाई को गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दोनों भाइयों के परिवार में कौन-कौन है, अभी जानकारी नहीं मिल सकी है। फिलहाल आसपास के लोगों से भी पुलिस पूछताछ कर रही है।

सिटकनी काट दुकान में घुसे चोर 1.10 लाख रुपए किए पार

महासमुंद (ए)। बरगढ़ शहर में चोरी की वारदात थमने का नाम नहीं ले रही है। बुधवार की रात राम मंदिर के पास एक दुकान में चोरी का मामला सामने आया है। चोरी की वारदात का पैटर्न ठीक वैसा ही था, जैसा कि रामनवमीं के दिन राम मंदिर में चोरी हुई थी। अज्ञात चोर ने मुख्य गेट और दरवाजे की सिटकनी काटकर भीतर प्रवेश किया और दुकान से 1 लाख 10 हजार नकदी लेकर फरार हो गया। दुकान मालिक चंदन लाठ ने मामले की शिकायत की है। उसने बताया कि रोज की तरह गुरुवार सुबह वह अपनी दुकान खोलने के लिए पहुंचा तो गेट और दरवाजे की सिटकनी टूटी हुई थी। जब वह भीतर गया और काउंटर चेक किया तो पता चला कि उसमें से नगदी राशि पार हो गई थी। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोरी की पूरी घटना कैद है, लेकिन अज्ञात चोर ने चेहरा ढंका हुआ था, जिसके चलते उसकी पहचान नहीं हो पा रही है। मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

आबकारी विभाग को मिली सफलताः मिलावटी विदेशी शराब बनाने वाला पकड़ा गया

महासमुंद (ए)। ब्रांडेड विदेशी शराब में मिलावट कर उसे खपाने वाले एक युवक को पकड़ने में आबकारी विभाग को सफलता मिली है। शहर के वार्ड नंबर 19 के एक किराए के मकान में आरोपी उक्त गोरखधंधा कर रहा था। खुफ्मिा जानकारी मिलने के बाद एक्साइज एसपी सिद्धेश्वर बेसरा के निर्देश पर आबकारी इंस्पेक्टर हीरावती थाटी के नेतृत्व में एक टीम ने उस मकान में छापा मारा, जहां आरोपी विदेशी शराब में मिलावट करने का काम करता आ रहा था। आबकारी इंस्पेक्टर हीरावती थाटी के मुताबिक बिहार के गया जिला अंतर्गत कपासिया गांव का मूल निवासी अमरेश कुमार सिंह (41) के द्वारा विदेशी शराब के कतिपय ब्रांड में मिलावट कर खपाया जा रहा था। उसके यहां छापा मार कर विभाग ने करीब 10 लीटर 880 मिली विदेशी शराब, विभिन्न ब्रांड की 40 खाली बोतल, 210 ढक्कन आदि बरामद किया गया है। आबकारी धाराओं के तहत आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पत्नी की न्यूड फोटो इंस्टाग्राम पर अपलोड की

घर से भागकर की लव मैरिज, झगड़े के बाद मायके गई तो पति करने लगा ब्लैकमेल

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में एक युवक ने इंस्टाग्राम पर फेक आईडी बनाकर अपनी पत्नी की न्यूड फोटो अपलोड कर दी। इसके बाद उसे ब्लैकमेल करने लगा। युवती को पता चला तो उसने थाने में एफआईआर करा दी। इसके बाद से आरोपी पति फरार है। खास बात यह है कि कुछ समय पहले ही दोनों ने घर से भागकर लव मैरिज की थी। हालांकि विवाद होने पर लड़की अपने मायके चली गई।

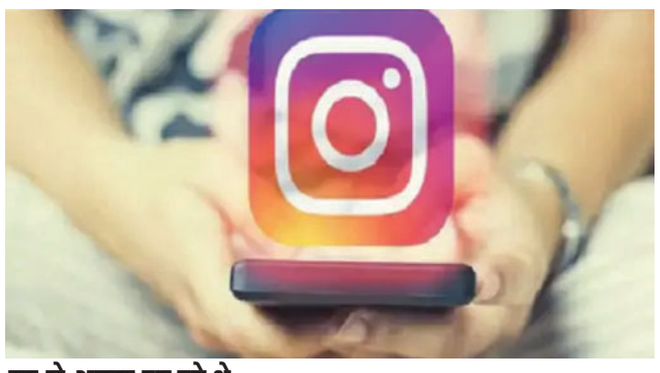

जानकारी के अनुसार सिटी कोतवाली क्षेत्र के एक युवक और युवती के बीच कुछ समय से प्रेम संबंध था। दोनों एक ही जाति के भी हैं, फिर भी परिजन उनकी शादी के लिए तैयार नहीं थे। इसके चलते करीब 2 माह पहले युवक और युवती अपने घरों से भाग गए और आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली।

घर से अलग रह रहे थे पति-पत्नी

प्रेम विवाह करने के बाद दोनों पति-पत्नी किराए पर मकान लेकर अलग रहने लगे, लेकिन कुछ दिन बाद ही उनके बीच विवाद शुरू हो गया। जिसके बाद युवती उसे छोड़कर अपने मायके आ गई। इस बात से नाराज युवक ने इंस्टाग्राम पर फेक आईडी बनाई और पत्नी की अश्लील फोटो वायरल कर दी। साथ ही ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

साथ रहने के लिए बना रहा था दबाव

युवती ने पुलिस को बताया कि साथ रहते समय आरोपी पति ने मोबाइल से उसका आपत्तिजनक फोटो लेकर रख लिया था। विवाद के चलते जब वह मायके आ गई तो पति ने अपने साथ रखने के लिए दबाव बनाना शुरू किया। इसके लिए वह राजी नहीं हुई तो इंस्टाग्राम में फेक आईडी बनाकर अश्लील तस्वीरों को अपलोड करने लगा।

युवक ने युवती के गहने भी रख लिए

इस घटना की जानकारी होने पर युवती अपने भाई के साथ शिकायत करने पुलिस अफसरों के पास पहुंची। युवती ने इस मामले में कार्रवाई की मांग की। जिसके बाद केस दर्ज कराने के लिए उसे कोतवाली थाने भेजा गया। युवती ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। युवती ने पुलिस को बताया कि पति ने उसके गहने व अन्य सामान भी रख लिए हैं। महिला ने अपना सामान भी दिलाने की मांग की है।

बच्चा कोई सामान नहीं, माता- पिता की आय और बच्चे की बेहतर शिक्षा की व्यवस्था ही कस्टडी सौंपने का एकमात्र मापदंड नहीं: हाईकोर्ट

बिलासपुर (ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस गौतम भादुड़ी और जस्टिस एनके चंद्रवंशी की बेंच ने बच्चे की कस्टडी को लेकर पेश किए गए मामले में अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि बच्चा कोई सामान नहीं है, माता- पिता की आय और बच्चे की बेहतर शिक्षा की व्यवस्था ही कस्टडी सौंपने का एकमात्र मापदंड नहीं है, यह मानवीय समस्या है, ऐसे मामलों का निराकरण केवल कानूनी प्रावधानों की व्याख्या कर नहीं किया जा सकता। ऐसी समस्या को मानवीय दृष्टिकोण के साथ ही सुलझाया जाना चाहिए। दुर्ग में रहने वाले निमेश अग्रवाल की 2007 में रूही से शादी हुई। 2012 में उन्हें एक बच्चा हुआ। बिगड़ते रिश्ते के कारण बाद में पति और पत्नी अलग रहने लगे। बच्चे की कस्टडी के लिए गार्जियन एंड वार्ड्स एक्ट, 1890 की धारा 25 के तहत फैमिली कोर्ट में अर्जी दाखिल की गई। दोनों ने अपने साथ बच्चे का बेहतर भविष्य का दावा किया। फैमिली कोर्ट ने सुनवाई के बाद मां को बच्चे की कस्टडी सौंपी थी, इसके खिलाफ पिता ने हाईकोर्ट में मामला प्रस्तुत किया था, इसमें फैमिली कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए अपनी 9 साल की बच्ची की कस्टडी की मांग की थी। वहीं, पिता के मुलाकात के अधिकार पर कोर्ट ने कहा कि बच्ची अपने पिता से डरी हुई थी। जब उसने पिता से बात करने से इनकार कर दिया तो उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया, यह पिता को मुलाकात के अधिकार से इनकार करने का कारण नहीं हो सकता।

एक माह में दूसरा हादसा: महान नदी से रेत लेकर निकला ट्रैक्टर, पलटने से चालक की मौके पर मौत

अंबिकापुर। बलरामपुर जिले के महान नदी से रेत का अवैध खनन के कारण अब लोगों की जान जा रही है। एक माह पहले जहां रेत लोड ट्रैक्टर चालक ने एक बुजुर्ग को कुचल दिया था वहीं बुधवार की देर रात रेत लोड एक ट्रैक्टर ट्राली के अनियंत्रित होकर खेत में जाकर पलट जाने से उसके चालक की मौत हो गई। ग्राम धंधापुर के छिंदियाडांड महान नदी में पुल के एक तरफ रेत खनन का ठेका है, लेकिन दूसरी तरफलीज क्षेत्र से बाहर स्थानीय रेत माफियाओं द्वारा ग्रामीणों के माध्यम से रेत खनन कराया जा रहा है। यहां हर रोज 50 ट्रैक्टर ट्राली और टिप्पर में रेत लोड कर सरगुजा जिले के आरा, धौरपुर और अंबिकापुर

तक पहुंचाया जा रहा है। इससे हादसे भी हो रहे हैं। गुरुवार की सुबह चालक खोड़रो निवासी रुस्तम की मौत हो गई। वह सुबह चार बजे नदी से रेत लेकर निकला था, लेकिन खेत में ट्रैक्टर पलट गई। नीचे दबने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इसी तरह एक माह पहले छिंदियाडांड में रेत चालक ने खलिहान में सो रहे बुजुर्ग रघुनाथ को कुचल दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी।

चालक शराब पीकर चलाते हैं ट्रैक्टर, इसलिए भी हो रहे हादसे

ग्रामीणों का कहना है कि रेत लोड करने आने वाले वाहन चालक छिंदियाडांड में महुआ शराब खरीदकर पीते हैं और इसके बाद तेज गति से गाड़ियां चलाते हैं। इससे राहगीरों को भी खतरा बना रहता है, लेकिन न तो अवैध खनन पर रोक लग रहा है और न ही अवैध शराब पर। वहीं महान नदी में अवैध खनन करने वाले युवकों का कहना है कि अब यह उनके लिए रोजगार बन गया है। यह काम बंद हुआ तो बेरोजगार हो जाएंगे और इसी से कमाकर रुपए जमा होने की उम्मीद से लोन ले रखा है।

परसवारकला के ठेकेदार ने लीज क्षेत्र से बाहर किया खनन

महान नदी में जहां अवैध रेत का खनन किया जा रहा है। वहीं इस नदी में परसवारकला, सूरजपुर जिले के खड़गवा में ठेकेदार द्वारा भी बेतरतीब तरीके से अवैध खनन और भंडारण किया कर रहे हैं। महान नदी में लीज क्षेत्र से बाहर जाकर ठेकेदार ने खनन कर रहा है। इसकी शिकायत जिले के खनिज अफसरों से हुई, लेकिन ठेकेदार नियमित अवैध खनन कर रहा है। अब खड़गांव क्षेत्र में माइनिंग भी शुरू कर दिया है।

8 साल की बच्ची के दुष्कर्मी को उम्रकैद

15 माह में फास्ट ट्रैक कोर्ट का फैसला, घर के पास से उठा ले गया था

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में 8 साल की बच्ची से दुष्कर्म करने वाले युवक को फास्ट ट्रैक कोर्ट ने आजीवन कारावास और पांच सौ रुपए अर्थदंड देने की सजा सुनाई है। बच्ची अपने घर के पास खेल रही थी। तभी युवक उसे बहलाकर निर्माणाधीन मकान में ले गया और दुष्कर्म किया था। बच्ची के चिल्लाने व रोने की आवाज सुनकर मोहल्लेवाले आए और आरोपी युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है।

सरकंडा थाना क्षेत्र की रहने वाली आठ साल की बच्ची स्कूल में पढ़ती है। घटना 3 फरवरी 2021 की है। बच्ची शाम 6.30 बजे अपने घर के पास खेल

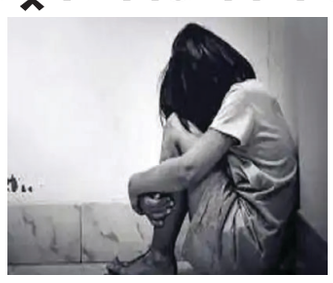

रही थी। तभी मोहन देवांगन (36) वहां पहुंच गया। बच्ची को देखकर उसकी नीयत बिगड़ गई। वह बच्ची को बहलाकर निर्माणाधीन मकान की तरफ ले गया और दुष्कर्म किया। बच्ची चिल्लाकर कर रोने लगी। उसकी आवाज सुनकर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। वहीं परिजन भी आ गए।

भीड़ ने दौड़ाकर पकड़ा

इस दौरान भीड़ देखकर मोहन वहां से भागने लगा। तब आसपास के लोगों ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस को इस घटना की जानकारी दी गई। परिजन बच्ची को लेकर थाना पहुंचे, तब पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया।

दोष सिद्ध होने पर कोर्ट ने सुनाई सजा

इस मामले की जांच के बाद पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट पेश किया। ट्रायल के दौरान प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक विवेक कुमार तिवारी ने आरोपी को दुष्कर्म को दोषी ठहराया। उन्होंने अभियुक्त मोहन देवांगन को आजीवन कारावास और पांच सौ रुपए जुर्माना की सजा सुनाई है।

15 माह में आया फैसला

पुलिस ने बच्ची के साथ हुई इस घटना को गंभीरता से लिया और सभी प्रकार की दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी कर कोर्ट में चालान पेश किया गया। ताकि जल्द से जल्द पीड़िता को न्याय मिल सके। फास्ट ट्रेक कोर्ट में लगातार मामले की सुनवाई हुई। इसके बाद 15 माह में गुरुवार को अंतिम सुनवाई करते हुए अभियुक्त को सजा सुना दी।

तीनों मंडलों में आरपीएफ का एक साथ छापा, 20 टिकट दलाल गिरफ्तार

रायपुर (ए)। आरपीएफने टिकट दलालों को घेरा। बिलासपुर जोन के तीनों मंडलों, रायपुर, बिलासपुर और नागपुर में आरपीएफने टिकट दलालों के ऊपर कार्रवाई की। तीनों मंडलों में 20 टिकट दलालों से चार लाख 15 हजार रुपये का टिकट, कंप्यूटर, मोबाइल, लैपटाप बरामद हुआ है। नागपुर मंडल से 11, रायपुर मंडल में पांच और सबसे कम बिलासपुर में चार टिकट दलाल गिरफ्तार हुए हैं।

चार लाख 15 हजार का टिकट, कंप्यूटर, मोबाइल, लैपटाप जब्त

ट्रेनों के रद होने के बाद कंफर्म टिकट देने के नाम पर टिकट दलाल चांदी काट रहे हैं। सामान्य दिनों की तुलना में अभी कंफर्म टिकट के लिए डेढ़ से दो गुना पैसे अधिक लिए जा रहे हैं। ऐसी शिकायतों पर आज आरपीएफ ने पूरे जोन में सक्रियता दिखाई। ऐसे टिकट दलालों को घेरा गया। जांच के बाद गड़बड़ी मिलने पर 20 टिकट दलालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। ज्ञात हो कि शादी-विवाह के चलते यात्रियों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। टिकट के लिए आरक्षण केंद्रों पर रोजाना लंबी कतारें लग रही है। क्योंकि रेलवे ने रायपुर मंडल से गुजरने वाली लोकल और मेमू मिलाकर कुल 33 ट्रेनों को 24 जून तक रद कर दिया है। ऐसे में जरूरतमंद जो पहले से टिकट करा चुके थे। अब वह अपना टिकट रद कराकर दूसरी ट्रेन में तत्काल टिकट का सहारा ले रहे हैं, लेकिन तत्काल टिकट भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में दलालों की चांदी हो गई है। टिकट दलाल अधिक पैसे लेकर अलग-अलग आइडी बनाकर अधिक दामों पर टिकट बेच रहे हैं।

कंपनी का कैशियर साढे तीन लाख लेकर फरार, मामला दर्ज

रायपुर (ए)। रायपुर के देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र में दवा सप्लाई का काम करने वाली एक कंपनी का कैशियर साढ़े तीन लाख रुपये लेकर फरार हो गया। देवेंद्र नगर थाने में दवा कंपनी के चीफ आपरेटिंग अफसर अंकुरकांत सिंघल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। कैशियर दिलीप चौहान 18 फरवरी 2021 से बिना बताए नौकरी पर नहीं आ रहा है। कंपनी ने जब जांच की तो पाया कि दिलीप चौहान को बैंक में जितने पैसे जमा करने के लिए दिए जाते थे, वह उतना पैसा जमा नहीं करता था। लगभग तीन लाख 54 हजार रुपये की गड़बड़ी सामने आई है। आरोपित के भनपुरी स्थित घर में भी जाकर देखने पर वह नहीं मिला

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

रोजगार सूचना और प्रत्यक्ष साक्षात्कार को रद्द करने की सूचना

संख्या-ई/पीबी/आर/कल्याण/19/एसबीएफ/एचपीसी दिनांक-23.05.2022

कृपया इस कार्यालय का रोजगार सूचना संख्या क्रमांक–ई/पीबी/आर/कल्याण/19/एसबीएफ/एचपीसी दिनांक– 21.02.2022 का अवलोकन करें जिसमें प्रत्यक्ष साक्षात्कार के माध्यम से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे/रायपुर मंडल के मंडल चिकित्सालय रायपुर एवं बीएमवाय रेलवे चिकित्सालय में एक वर्ष के लिए अंशकालिक होम्योपैथिक सलाहकार की संविदा नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये थे जिसका प्रत्यक्ष साक्षात्कार (Walk-in-Interview) दिनांक 25.03.2022 (शुक्रवार) को मंडल रेलवे चिकित्सालय, डब्ल्यु.आर.एस कालोनी, रायपुर (छ.ग) में किया गया था। प्रशासनिक कारणों से उक्त रोजगार सूचना एवं प्रत्यक्ष साक्षात्कार को रद्द किया जाता है।

कृते, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी
पीआर/आर/सी.डीपीओ/एफएल/25 द.पू.म रेलवे, रायपुर

South East Central Railway @secrail

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

क्र/सात/दो/भ.अ./2022/619/105 भिलाई, दिनांक 24/05/2022

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि कॉलोनाईजर श्री के. श्रीनाथ आ0 श्री पी. एस. कन्दास्वामी, पता – क्वा. नं. 67 सेक्टर 02 भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.), को ग्राम जुनवानी प.ह.नं. 53 रा.नि.मं. जुनवानी तह. व जिला दुर्ग के खसरा कमांक 15001 शामिल नम्बर (41/1 रकबा 0.40 हे. व 41/2 रकबा 0.75 हे.) कुल रकबा 1.15 हे0 पर आवासीय सह व्यवसायिक (भूखण्डीय) कॉलोनी विकास निर्माण हेतु कॉलोनी विकास अनुमति जारी की गई है। उक्त कॉलोनी में आंतरिक विकास कार्य पूर्ण करने के एवज् में निम्नानुसार भूखण्ड बंधक रखा गया है। भूखण्डों का विवरण आम लोगो की जानकारी हेतु दी जा रही है, जो निम्नानुसार है :–

बंधक भूखण्डों का विवरण –

क्रं.	भूखण्ड क्रं.	क्षेत्रफल
1	32 से 37 तक	744.16 व.मी.
	कुल	744.16 व.मी.

उपरोक्तानुसार बंधक भूखण्ड को क्रय करने से पूर्व नगर पालिक निगम, भिलाई के भवन अनुज्ञा शाखा द्वारा बंधकमुक्त किया गया है अथवा नहीं इसके संबंध में कॉलोनाईजर से बंधकमुक्त प्रमाण पत्र प्राप्त करे तथा बंधकमुक्त नहीं होने की स्थिति में बंधक भूखण्ड क्रय न किया जावे।

आयुक्त

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

भिलाई के युवा मुक्केबाज वाई उमेश ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-7 में कक्षा 9 में पढ़ने वाले भिलाई के युवा मुक्केबाज श्री वाई उमेश ने बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित सब जूनियर बॉयज नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप-2022 बेल्लारी, कर्नाटक में 40 से 43 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता है। उमेश, जो बीएसपी के प्रशिक्षकों की चैकस निगाहों में भिलाई इस्पात संयंत्र के खेल, सांस्कृतिक और नागरिक सुविधा विभाग से संबद्ध स्टील बॉक्सिंग क्लब में अन्य लड़कों के साथ कम उम्र से अभ्यास कर रहे हैं। इससे पूर्व उमेष ने सब-जूनियर बॉयज नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्टील प्लांट स्पोर्ट्स बोर्ड (एसपीएसबी) टीम से भाग ले चुके है। उमेश को उनके प्रदर्शन के आधार पर नेशनल कैंप के लिए चुना गया है। अब उनके पास अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लेने का मौका है।

निदान 40 : पॉश कालोनी में शिविर, 4.97 लाख वसूली

अवधपुरी में बनेगी सड़क, आयुक्त ने कार्य शुरू करने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। अवधपुरी में सड़क निर्माण को लेकर नागरिकों का हुजूम लग गया था। समस्या सुनने के बाद आयुक्त आशीष देवांगन ने स्वीकृत कार्य के बारे में जानकारी लेते निर्माण एजेंसी को तलब किया। उन्होंने इसी हफ्ते हर हाल में सड़क निर्माण कार्य आरंभ करने निर्देश दिए।

अवधपुरी वार्ड 24 पार्षद अनिल देशमुख के नेतृत्व में पहुंचे 50 से भी अधिक महिला पुरूषों का कहना था कि बालाजी सेलून से कल्पकृति परिसर तक सड़क बनाने की मांग वे लम्बे समय से कर रहे है। ज्ञापन भी सौप चुकें है। सुनवाई अब तक नहीं हो रही है। समस्या का निदान करते आयुक्त ने खुलासा किया कि सड़क बनाने कार्य स्वीकृत है। उन्होंने निर्माण एजेंसी को तलब करते निर्देश दिए कि

सड़क बनाने का कार्य इसी हफ्ते में शुरू करे। इस दौरान नागरिकों ने शिविर में पहुंचे प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री जितेन्द्र साहू से अवधपुरी से पानी निकासी मार्ग बनाने सर्वे कराने भी चर्चा की।

शिविर का जायजा लेने महापौर शशि-अशोक सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, महापौर परिषद के सदस्य परमेश्वर, सनीर साहू, अनूप डे, सोनिया देवांगन, ईश्वरी साहू, पार्षद अनिल देशमुख, मनीष यादव, डॉ. सीमा साहू, संजू नेताम, विनय नेताम समेत धर्मेन्द्र भगत पहुंचे थे।

शिविर वार्ड 24 व 25 के लिए श्याम नगर पानी टंकी कार्यालय में लगाया गया था। संपत्तिकर वसूलने स्टाल लगाया गया था। पॉश कालोनी में लगाए शिविर में अब तक के सार्वधिक 4 लाख 96 हजार 9 सौ 44 रूपए की वसूली हुई। निगम खजाने में राशि जमा कराने 81 लोग पहुंचे थे।

तत्काल भेजा गया गैंग

निदान 40 के तहत समस्या का निराकरण मौके पर ही किए जाने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। निर्माण व जटिल शिकायतों का निराकरण करने समय सीमा निर्धारित भी किया जा रहा है। नाली बजबजाने की शिकायत मिलने पर जनस्वास्थ्य विभाग का अमला आशीष नगर पश्चिम पहुंचकर चार अलग-अलग नालियों की सफाई की।

महामंत्री ने बांटे प्रमाण पत्र

शिविर में शासन की मितान योजना का प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है। जन्म-मृत्यू प्रमाण पत्र बनाने पहुंचे दो नागरिकों की समस्या का निराकरण करते मितान द्वारा तत्काल दस्तावेज का स्कैन कर प्रमाण पत्र तैयार किया।

शहर के कई वार्डों में जलसंकट की शिकायत

सर्वोच्च प्राथमिकता से करें पानी संकट की समस्या का समाधान

जनसमस्या समाधान शिविर में मिली शिकायतों का तत्काल समाधान करें अधिकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जनसमस्या निवारण शिविर में मिल रही शिकायतों और समस्याओं का तत्काल निराकरण करने वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने निगम अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। वोरा ने आज कंडरापारा में वार्ड 34, 35 और 36 के नागरिकों के लिए जनसमस्या समाधान शिविर का निरीक्षण करते हुए कहा कि सिर्फ समस्याओं और शिकायतों का पुलिंदा जमा करने से काम नहीं होगा। सभी समस्याओं का तत्काल निराकरण भी होना आवश्यक है।

वोरा ने कहा कि नगर निगम के कई वार्डों में जलसंकट की शिकायत अभी तक नहीं सुलझी है। दीपक नगर, आमदी मंदिर वार्ड, सिंधी कॉलोनी एरिया में काफी कम पानी सप्लाई हो रहा है। कम प्रेशर और कम समय तक नल खुलने से लोग परेशान हैं। इसके अलावा स्ट्रीट लाइट बंद होने की शिकायतें भी मिली है। सभी समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाना चाहिए। वोरा ने कहा कि निगम अधिकारियों को तत्परतापूर्वक जनसमस्याओं का निराकरण करना चाहिए। डेढ़ सौ करोड़ की लागत से अमृत मिशन प्रोजेक्ट का लोकार्पण होने के बावजूद गर्मी में जलसंकट की शिकायतें मिलना गंभीर मुद्दा है। वोरा ने निगम अफसरों को शहर के वार्डों में जलसंकट की समस्या को सर्वोच्च प्राथमिकता से सुलझाने के निर्देश दिये हैं।

चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने दुर्ग कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भूरे से भेंटकर उन्हें ज्ञापन सौंपा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, भिलाई के प्रतिनिधिमण्डल ने आज दुर्ग कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भूरे से भेंटकर उन्हें ज्ञापन सौंपा। चेम्बर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन और भिलाई अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्र के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल ने दुर्ग में होलसेल कॉरिडोर के निर्माण की मांग करते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों ने इस संबंध में पूर्व में मुख्यमंत्री से हुई चर्चा की जानकारी भी कलेक्टर को दी और आवश्यक कार्यवाही करने की मांग की। जिस पर कलेक्टर ने जल्द से

जल्द स्थल चयन कर आगे की कार्यवाही करने आश्वासन दिया।

चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेश के विभिन्न वर्गों के विकास के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश में व्यापारियों के विकास के लिए सरकार को आवश्यक कदम उठाने चाहिये जिसे मूर्तरूप देने के लिए जिले में होलसेल कॉरिडोर की स्थापना किया जाना अतिआवश्यक है। इसके लिए जिले में मुख्य मार्ग के समीप होलसेल कॉरिडोर का निर्माण किया जाना चाहिये।

पट्टो से संबधित प्राप्त आवेदनों को तत्काल सक्षम अधिकारी को प्रेषित, आवास योजना के आवेदनों पर की जा रही कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा लगातार जनता के साथ संपर्क बनाकर उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए जन समस्या समाधान शिविर का आयोजन सभी 60 वार्डो के क्लस्टर में किया जा रहा है।

जिसमे जनता की मूलभूत सुविधाएं जैसे पानी,बिजली,राशन कार्ड गुमास्ता लायसेंस, पट्टा, नामांतरण आदि से प्राप्त आवेदनों का मौके पर निराकरण किया जा रहा है।इस क्रम में आज दिनांक 26/5/22 को वार्ड 33,34 एवं 35

के लिए जनसमस्या शिविर का आयोजन कंडरा भवन शिव पारा दुर्ग ने आयोजन किया गया।

शिविर में विधायक अरुण वोरा व महापौर धीरज बाकलीवाल ने एमआईसी सदस्य दीपक साहू के साथ पहुँचकर वार्ड के नागरिको से चर्चा की इस अवसर वार्ड के पार्षद श्रीमती इंद्राणी कुलेश्वर साहू,श्रीमती शशिद्वारिका साहू,कमल देवांगन मौजूद थे।पट्टो से संबधित प्राप्त आवेदनों को तत्काल सक्षम अधिकारी को प्रेषित किया गया एवं आवास योजना के आवेदनों पर की जा रही कार्यवाही,राशन कार्ड,पेंशन से संबंधित आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया।कल दिनाक 27/ 5 / 22 दिन शुक्रवार को जनसमस्या समाधान शिविर का आयोजन वार्ड क्रमांक 36,37 एवं 38 का मोहन बाल मंदिर गंज पारा में सुबह 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक किया गया है।संबधित वार्ड में रहने वाले नागरिको से अपील की जाती है कि उनकी मांग और समस्याओ के निराकरण हेतु शिविर में उपस्थित होवे।

शहर में मानसून पूर्व डेंगू के रोकथाम की तैयारी पर चर्चा कर कार्ययोजना का निर्धारण

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जन स्वास्थ्य विभाग के सेक्टर 8 कार्यालय में आज दिनांक 26 मई, 2022 को शहर में मानसून पूर्व डेंगू के रोकथाम की तैयारी एव कार्य योजना पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित किया गया। जिसमें जिला मलेरिया अधिकारी एवं आईडीएसपी जिला नोडल अधिकारी श्री सी बी एस बंजारे के साथ सहायक महाप्रबंधक (जन स्वास्थ्य) श्री सुनील चैरसिया एवं उनकी टीम ने विस्तृत चर्चा की। 1 जून, 2022 से पूरे टाउनशिप में डोर टू डोर संपर्क कर कूलर, गमला, पानी जमाव की जगह में मच्छर के लार्वा की जांच किया जाएगी।

व्यापार को दें नई उड़ान...
Digital India
आज ही अपना स्थान सुरक्षित करें
Digital Display के साथ...
10x16 , 10x20, 10x16, 10x20 Feet

4 डिजीटल दूनिया में हमारे बढ़ते कदम दुर्ग जिले के बाद अब राजधानी रायपुर में भी चार स्थानों पर
एलईडी स्क्रीन
सबसे किफायती
दुर्ग जिले के बाद अब राजधानी रायपुर में भी
LED SCREEN

जयस्तंभ चौक, रायपुर - 01
भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर - 02
वीआईपी चौक मोड़, रायपुर - 01

Contact_-
9303289950
7987166110
7987715546

Harsh
Media Advertisers
शहीद भगत सिंह चौक, शंकरनगर, रायपुर, जिला-रायपुर, छ.ग.-492001

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ को दी भिलाई इस्पात संयंत्र की सौगात

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, बच्चों के चाचा नेहरु,
विश्व के सर्वाधिक सफल लोकतंत्र के शिल्पकार,
योजना आयोग, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों,
IIT, IIM, AIIMS आदि संस्थाओं के माध्यम से
स्वतंत्र भारत को ठोस नींव पर खड़े करने वाले,
सामाजिक न्याय के मसीहा,
भारत के प्रथम प्रधानमंत्री, भारतरत्न

पंडित जवाहरलाल नेहरु

की पुण्यतिथि 27 मई पर सादर नमन

RO-32639/83

श्री भूपेश बघेल
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

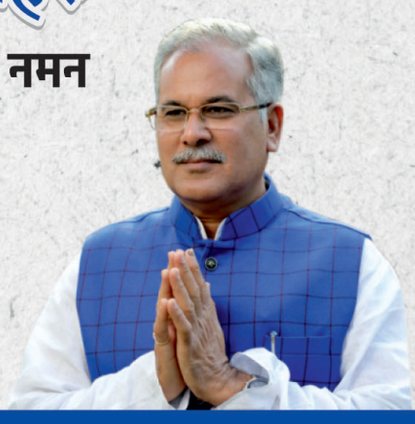

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950